ALIVE NEWS

अलाईव न्यूज़

Any Enquiry Cont. : 0129-4070270

ख़बर वही, जो ज़िंदा रहे!

Vol. 13 Issue No. 05 Faridabad (NCR) | Monday, 01-15 April 2024 | Rate : 5 /- | RNI No. : HARBIL/2012/45536 | Postal Registration No. L-2/HR/FBD/296/24-26 | Page : 8

वैचारिक विश्व में एक चमकता नक्षत्र

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचार परिवार के राजनैतिक दल भारतीय जनता पार्टी की राजनीति को यदि हम सामाजिक प्रतिबिंब के रूप में देखें तो हमें वैचारिक प्रतिबंधों, वर्जनाओं और सीमाओं से मुक्ति मिल जाती है। वैचारिक दृष्टि से देखें तो भाजपा एकमात्र ऐसा भारतीय राजनैतिक दल है जो विदेशी वैचारिक दासता से मुक्त है।

साभार

विमर्श या नैरेटिव के नाम पर भारत में एक अघोषित युद्द चला हुआ है। इन दिनों भारत में चल रहा यह विमर्श शुद्ध राजनैतिक है। राजनीति और कुछ नहीं समाज का एक संक्षिप्त प्रतिबिंब ही है। विमर्श में यह प्रतिबिंब विषय व समयानुसार कुछ छोटा या बड़ा होता रह सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचार परिवार के राजनैतिक दल भारतीय जनता पार्टी की राजनीति को यदि हम सामाजिक प्रतिबिंब के रूप में देखें तो हमें वैचारिक प्रतिबंधों, वर्जनाओं और सीमाओं से मुक्ति मिल जाती है। वैचारिक दृष्टि से देखें तो भाजपा एकमात्र ऐसा भारतीय राजनैतिक दल है जो विदेशी वैचारिक दासता से मुक्त है। भाजपा का विचार वही है जो भारत का चिरंतन विचार रहा है। भाजपा अपने चिर परिचित हिन्दुवशील आग्रहों पर अंगद, अटल है। नवीन व पुरातन का अभिनव संगम हो गई है भाजपा। वस्तुतः आरएसएस ने भाजपा के माध्यम से राजनीति एक विशाल, विराट व मुक्त वैचारिक कैनवास हमें दिया है। हम भारत के राजनैतिक, अराजनैतिक और यहां तक की हम भाजपा के लोग भी भाजपाई राजनीति को सही शब्दों में संपूर्णतः व्यक्त नहीं कर पाते हैं। यह अव्यक्तिकरण इसलिए नहीं है कि भाजपाई नेतृत्व के पास या भाजपा के आलोचकों के पास शब्दों या समझ का अभाव है। यह अव्यक्तिकरण इसलिए है कि भाजपा का सर्वसमावेशन, सर्वस्पर्शन और सर्वव्याप्तिकरण का लक्ष्य समाज में तीव्रता से आ रहे परिवर्तनों के साथ साथ त्वरा भाव से उर्वर, अद्यतन होकर अपडेशन के साथ सदैव व स्वमेव ही हमारे समक्ष प्रस्तुत हो जाता है। तेजी से बदलते समाज में एक तीव्र और तेज वैचारिक अपडेशन को अपनाना यही भाजपा का देश भर में सत्तासीन होने का अंतर्तत्व है। यह तो निर्विवाद रूप से सभी मानते हैं कि पिछले तीन दशकों में विशेषतः पिछले दशक का भारत सौ वर्षों के परिवर्तनों को समेटे हुए है। भाजपा का वैचारिक

तंत्र इस तीव्र, तेज, तीक्ष्ण सामाजिक परिवर्तन को सौम्यता से प्रकट करने का सबसे बड़ा भारतीय संस्थागत ढांचा बन गया है। यहां सौम्य शब्द का प्रयोग इसलिए है क्योंकि इस तेज युग के तीव्र सामाजिक परिवर्तनों के समय में सौम्य बने रहना तनिक कठिन और कष्टप्रद होता है किंतु भाजपा की सौम्यता है की जाती ही नहीं। भाजपा को यह सौम्यता संघ से मिलती है। संघ से इस सौम्यता को ग्रहण कर लेने की मशीन है पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का एकात्म मानववाद का सिद्धांत। एकात्म मानववाद का सिद्धांत भाजपा की रीढ़ है। भाजपा अपनी रीढ़ की रक्षा करना और रीढ़ पर टिके रहना दोनों भलीभांति सीख गई है। यही भाजपा नामक वटवृक्ष का फोटो सिंथेसिस प्रोसेस अर्थात प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया है।

मोटी दृष्टि से देखें तो भारत में राजनीति की चार धाराएं हैं। भाजपा, कांग्रेस, वामपंथ और समाजवाद। भाजपा स्वयं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार से उपजी एक राजनैतिक धारा है। इसने अपने कोई डमी या छद्म रूप उत्पन्न नहीं किए। शेष तीन राजनैतिक विचार अपने डमी उत्पन्न करके छ्ल करते रहते हैं। जैसे कांग्रेस से तृणमूल कांग्रेस या राष्ट्रवादी कांग्रेस। कांग्रेस, वामपंथ व समाजवाद ने सकारात्मक विमर्श तो कम उपजाए किंतु नकारात्मक विमर्शों में ये लोग मास्टर ऑफ द मास्टर्स हो गए हैं। भाजपा के बड़े स्तर पर सत्तासीन हो जाने से लोग बहुधा एक बात कहते हैं; अरे, अब यह ÷पार्टी विद डिफ़रेंस÷ नहीं रही। विरोधी दल स्वानंद के लिए यह कह लें किंतु भाजपा आज भी ÷पार्टी विद डिफ़रेंस÷ ही है!! भाजपा में अनेक दलों से करोड़ो कार्यकर्ता आकर सम्मिलित हुए हैं, लाखों पदाधिकारी आए, हजारो सांसद विधायक आये; किंतु क्या भाजपा ने क्या मंदिर को छोड़ा? कश्मीर को छोड़ा? सामान नागरिक संहिता को छोड़ा? तुष्टिकरण के विरुद्ध अभियान को छोड़ा? हिंदुत्व के आग्रह को छोड़ा? आप पिछले एक दो दशक में सभी भारतीय दलों दलों द्वारा विकसित किये गए विमर्शों को जांचे तो पता चलेगा की वैचारिक दृष्टि से शेष दल सुविधाभोगी हो गए हैं किंतु भाजपा ने अपना वैचारिक आग्रह नहीं छोड़ा। भाजपा ने दूसरे दलों से कार्यकर्ता, पदाधिकारी, विधायक, सांसद अपने दल में लिए अवश्य किंतु आने वाले व्यक्ति और उनके विचार बदले हैं भाजपा का वैचारिक आग्रह नहीं बदला है। भाजपा आज भी अपने संघी ध्रुव पर, एकात्म मानववाद पर, अन्त्योदय पर, राममंदिर पर, समान नागरिक संहिता पर और ऐसे अनेक विषयों पर अंगद और अटलभाव से खड़ी हुई है। वहीं दूसरी ओर सत्ता प्राप्ति को बैचेन भाजपा से इतर के दल आजकल अपना वैचारिक आधार बनाना ही नहीं चाहते हैं। वो कभी इस डाल पर तो कभी उस डाल पर बैठते हैं। वो विचार बदलते हैं, परिवार बदलते हैं, आधार बदलते हैं और नौ सौ चूहे खाकर कभी हज को तो कभी हरिद्वार को जाने का प्रपंच करते हैं। कांग्रेस कम्युनिस्ट होकर कटुक, बिटूक गई है। कम्युनिस्ट लोग इस्लामिस्ट होने का ढोंग रच रहे हैं। साम्यवादी समाजवादी तो पता नहीं क्या क्या प्रपंच कर रहे हैं। सबसे बड़ी बात सत्तासीन होने के लिए ये लोग भारतीयता को छोड़ने में अव्वल सदा रहते हैं। ÷भारतीयता को छोड़ना÷ इस एक बड़े शब्द का प्रयोग यहां किया है, किंतु आपके समक्ष कांग्रेस जनित आपातकाल और तुष्टिकरण के बाद के कालखंड के कुछ सामाजिक संदर्भ रख रहा हूं, थर्मामीटर लगाकर चैक करें कि इन संदर्भों में भाजपा से इतर वाले राजनैतिक दलों ने कितनी तेजी से सत्ता के लिए अपनी केंचुली बदली है। जनजातीय को हिंदुओं से अलग बताना, जैन और लिंगायत जैसे कुछ अन्य समुदायों को अलग धर्म या अल्पसंख्यक कराना, शाहबानों प्रकरण में न्यायालय के निर्णय को बदलना, एक देश दो विधान, आर्य अनार्य का वितंडा उपजाना, राममंदिर को संघ भाजपा का कार्यालय बताना, अयोध्या निर्माण में बाधाएं उत्पन्न करना, रामेश्वर रामसेतु के विध्वंस हेतु मशीनों का बेड़ा भेजना, श्रीराम को काल्पनिक बताना, ऐन दीवाली की रात्रि को पूज्य शंकराचार्य की गिरफ्तारी, देश में कोविड वेक्सिन को भाजपा की वेक्सिन कहकर विरोध करना, विदेशों में वेक्सिन डिप्लोमेसी का विरोध करना, नक्सलवाद, खालिस्तान, बोडो, माओइज्म, अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध करना, पंडित विहीन कश्मीर, दक्षिण राज्यों में हिंदी विरोध के आधार पर राजनीति, भाषायी विभाजन, भीम मीम गठजोड़, मंडल-कमंडल, पूर्वोत्तर राज्यों में अलगाव, गुरमेहर कौर विवाद, चीन के साथ भारत के विवाद या संघर्ष में चीन की ओर झुकाव बताना जैसे कई कई मुद्दे हैं। ये और इन जैसे अनेक अन्य मुद्दों पर भारत के तथाकथित बुद्धिजीवी व प्रगतिशील राजनीतिक तत्वों ने सदैव ही राष्ट्र की मूलभावना के विपरीत आचरण प्रस्तुत किया है। भारत की परिवार परम्परा और विवाह परम्परा के विरुद्ध इनके षड़यंत्र आए दिन नए नए रूप में देश के प्रत्येक भाग में उभरते रहते हैं। सीआरपीएफ के 75 सैनिकों के नक्सलियों से संघर्ष करते हुए बलिदान होने पर उत्सव मनाने जैसी घटनाएं ये लोग आए दिन करते रहते हैं। इन सब प्रपंचों को करने के बाद यदि ये विभिन्न राजनैतिक दल जब सत्ताप्राप्ति के लिए एक होने का जब प्रयास करते हैं तो बड़ा हास्य उत्पन्न होता है। सांप-नेवला, कुत्ता-बिल्ली-चूहे की जोड़ी बना ली जाती है और समाज से समर्थन मांगा जाता है। समाज सोचता है किसे देखकर इन्हें समर्थन दें? कुत्ते को देखकर समर्थन दें तो वह बिल्ली को खा जाएगा बिल्ली को दें तो वह चूहे को खा जाएगी चूहे को दें तो वह देश को ही कुतर जाएगा।

प्रश्न बड़ा है शेष फिर कभी...

बेटियों को भी मिले उचित सम्मान, उन्हें न समझा जाए बोझ

आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढने के बावजूद भी वह अनेको कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियों उनके आगे बढने में बाधाएं उत्पन्न करती है। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। देश में आज भी प्रतिवर्ष लाखों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है। समाज में आज भी बेटियो को बोझ समझा जाता है। हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं। लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी विरांगनाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओ को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी होने से लिंगानुपात गड़बड़ा गया है। पिछले कुछ वर्षों में देश में जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़ोतरी होना शुभ संकेत हैं। संसद में एक सवाल का जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया था कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिकाओं के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए जनता की मानसिकता को बदलने की दिशा में सामूहिक चेतना जगाई है। इस योजना ने भारत में सीएसआर (बाल लिंग अनुपात) में गिरावट के मुद्दे पर चिंता जताई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) में 15 अंकों के सुधार के रूप में परिलक्षित होता है।

अर्ध-चिकित्सा व इससे जुड़े अन्य क्षेत्रों में बनाएं कैरियर

रोग के निदान और इलाज में अर्द्ध-चिकित्सा विज्ञान या संबर्द्ध स्वास्थ्य विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। रोग निदान से संबंधित औजार जैसे कि सूक्ष्मदर्शी यंत्रा, एक्स-रे, अल्ट्रासाउण्ड, इंडोस्कोप, सीटी, एमआर, गामा कैमरा तथा अन्य इन्वेसिव या नॉन-इन्वेसिव पद्धतियाँ और तकनीकी प्रकार की थेरेपियां जैसे कि पिफजियोथेरेपी, रेडियोथेरेपी, श्वासयिा थेरेपी, स्पीच थेरेपी आदि अर्ध-चिकित्सा प्रणाली का हिस्सा हैं। आयुर्विज्ञान और संश्लिष्ट चिकित्सा उपकरणों के विकास के साथ-साथ प्रशिक्षित और सुयोग्य अर्द्ध- चिकित्सकीय मानवशक्ति की मांग भी बढ़ रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन, डब्ल्यू.एच.ओ. की सिफारिशों के अनुसार चिकित्सक-जनसंख्या का अनुपात १:१००० होना चाहिए। एक चिकित्सक को न्यूनतम ८ सहायक स्वास्थ्य कार्मिकों की आवश्यकता होती है। इसका अर्थ हुआ कि भारत को १२ लाख से अधिक चिकित्सकों और करीब ९६ लाख सहायक कर्मचारियों की आवश्यकता है। वर्तमान में हमारे पास केवल ४ लाख चिकित्सक हैं। सहयोगी कार्मिकों की संख्या भी अपर्याप्त है। हेल्थकेअर विज्ञान एक व्यापक और विविधताओं से भरा क्षेत्रा है। चिकित्सा के क्षेत्रा में प्रौद्योगिकी के बढ़ते इस्तेमाल के परिणाम-स्वरूप इस क्षेत्रों में बड़ी संख्या में विशेषज्ञता, उप-विशेषज्ञता तथा सुपर विशेषज्ञता क्षेत्रों का विकास हुआ है। पहले से ही समाज नर्सों, पफार्मासिस्टों तथा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकीविदों की भूमिका और महत्व से परिचित है। इसके अलावा अर्ध-चिकित्सा क्षेत्रा और संबध क्षेत्रा में ५० से अधिक विशेषज्ञता क्षेत्रा हैं जो पूर्णत: रोजगारोन्मुख हैं तथा इनमें रोजागार की जबरदस्त संभावनाएं हैं। इस बारे में कोई भी फैसला लेने से पूर्व अर्ध-चिकित्सा विज्ञान की विशिष्ट व्यावसायिक भूमिका तथा आवश्यकताओं की जानकारी होना बहुत महत्वपूर्ण है। क्षेत्रों में निम्नलिखित प्रमुख आधुनिक विशेषज्ञता क्षेत्र हैं-

1. **मेडिकल ट्रांसप्शिन-** मेडिकल ट्रांसप्शिनिस्ट को चिकित्सकों और अन्य विशेषज्ञों द्व ारा लिखवाए गए चिकित्सा रिकार्ड को उसकी विषय-वस्तु से छेड़छाड़ किए बगैर ट्रांसाइब करना होता है। इसके लिए वे टेप, डिजिटल प्रणाली या वॉयस-मेल से डिक्टेशन प्राप्त करते हैं। लिखवाई गई रिपोर्टों को समझने तथा पाठक के लिए स्पष्ट और व्यापक रूप में सही तरह ट्रांसाइब करने के लिए मेडिकल ट्रांसप्शिनिस्ट को चिकित्सा शब्दावली, शरीर-विज्ञान, निदान प्रयिा तथा औषध-विज्ञान और इलाज मूल्यांकन की अच्छी समझ होनी चाहिए। उनमें चिकित्सा से संबंधित विशिष्ट शब्दावली और संक्षिप्ताक्षरों को विस्तारित रूप में अनूदित करने की भी योग्यता होनी चाहिए। साथ ही आप में अच्छा श्रवण कौशल और भाषा कौशल, कम्प्यूटर कौशल के साथ-साथ कार्य को सम्पन्न करने के लिए सहनशीलता भी होनी चाहिए। यदि वे कार्य की हार्ड प्रति तैयार करने तथा रिकार्ड का रखरखाव करने संबंधी कार्य करते हैं तो उन्हें चिकित्सा रिकार्ड अधिकारी के रूप में जाना जाएगा।

एक अनुभवी मेडिकल ट्रांसप्शिनिस्ट को अस्पतालों, चिकित्सा पुस्तकालयों, ट्रांसप्शिन सेवा केंद्रों, सरकारी सुविध केंद्रों आदि में रोजगार प्राप्त हो सकता है। वे अपने घर पर भी ट्रांसप्शिन कार्य कर सकते हैं। वे स्वास्थ्य सूचना प्रशासकों के पद के लिए भी पात्रा होंगे। मेडिकल ट्रांसप्शिन में कॅरिअर शुरू करने के लिए आप ट्रांसप्शिन प्रौद्योगिकी, मेडिकल रिकार्ड प्रौद्योगिकी, चिकित्सा प्रलेखीकरण, स्वास्थ्य सूचना प्रौद्योगिकी में से कोई भी कोर्स कर सकते हैं। ये पाठ्यम डिप्लोमा, डिग्री और स्नातकोत्तर स्तर पर उपलब्ध् हैं।

2. **स्वास्थ्य निरीक्षक** - जन स्वास्थ्य निरीक्षक जन स्वास्थ्य टीम और कार्यान्वयन व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग होता है।

स्वास्थ्य निरीक्षक की भूमिका में बीमारियों को पफैलने से रोकना, शिक्षा, परामर्श, निरीक्षण और निगरानी तकनीकों के जरिए स्वास्थ्य को प्रोत्साहन और पर्यावरण में सुधर करना है। इससे जुड़े सुरुचिपूर्ण क्षेत्रों में शामिल हैं -खाद्य स्वास्थ्य विज्ञान, कीट और कृन्तक नियंत्राण, संचारी रोग जांच, सार्वजनिक आवास, सामुदायिक देखभाल सुविधएं, सार्वजनिक मनोरंजक सुविधएं, जलापूर्ति और कचड़ा निपटान प्रणाली, ऑक्यूपेशनल हेल्थ एवं सुरक्षा और पर्यावरण प्रदुषण- वायु, ध्वनि, मृदा तथा जल। उन्हें जन स्वास्थ्य की सुरक्षा और उसमें सुधर के वास्ते व्यापक योजनाओं के विकास में नेतृत्व तथा तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करनी चाहिए. जन-स्वास्थ्य निरीक्षक के रूप में आपका यह दायित्व है कि आप स्वास्थ्य से जुड़े कानूनों को लागू करते हुए सुविधओं की निगरानी के साथ पर्यावरण और स्वास्थ्य की रक्षा करें। स्वास्थ्य निरीक्षक विषय से जुड़े पाठ्यम डिप्लोमा स्तर पर उपलब्ध् हैं। छात्रा डिप्लोमा, डिग्री और स्नातकोत्तर स्तरों पर जन स्वास्थ्य प्रशासन एवं प्रबंध्न में भी कोर्स कर सकते हैं।

3. बायो-मेडिकल इंजीनियरिंग -बायो-मेडिकल इंजीनियर के रूप में आप चिकित्सा और स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं के हल के लिए इंजीनियरी सिद्धांतों का प्रयोग करेंगे। बायो-मेडिकल इंजीनियरिंग या बायो-मेडिकल इंस्ट्रन्रमेंटेशन टेक्नोलॉजी अंतर-विषयक क्षेत्रा हैं। इसके अंतर्गत भौतिक, रासायनिक, गणितीय, अभिकलनीय और इंजीनियरी विज्ञान क्षेत्रा आते हैं। इससे जीवविज्ञान चिकित्सा, व्यवहार, मनोविज्ञान आदि की संक्षिप्त रूप में समझ प्राप्त होती है। आपको कृत्रिम हृदय, डायलिसिस मशीन, सर्जिकल लेजर आदि चिकित्सा उपकरण तैयार करने के वास्ते जीवन विज्ञान से जुड़े वैज्ञानिकों, कैमिस्ट और चिकित्सा व्यावसायिकों के साथ जुड़कर बड़ी संख्या में अनुसंधन कार्य करने हेंगे। बायो-मेडिकल इंजीनियरिंग से आधुनिक प्रयोगशाला और क्लीनिकल प्रयिाओं का मार्ग प्रशस्त होता है। बायो-मेडिकल इंस्ट्रन्रमेंटेशन, बायोमैकेनिक्स, बायोमैटीरियल्स, इमेजिंग, क्लीनिकल इंजीनियरिंग और पुनर्वास इंजीनियरिंग आदि कुछेक सु-व्यवस्थित विशेषज्ञता क्षेत्रा हैं। बायो मेडिकल इंजीनियर के रूप में कार्य करने के लिए आपके पास इसमें डिग्री या स्नातकोत्तर डिप्लोमा होना चाहिए। इस विषय क्षेत्रा में डिप्लोमा, डिग्री, स्नातकोत्तर डिप्लोमा और स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यम उपलब्ध् हैं।

4. **स्पीच थेरेपी :** स्पीच थेरेपिस्ट के रूप में आपकी मुख्य भूमिका है श्रव्य विकलांगता से ग्रस्त रोगियों के पुनर्वास से जुड़े कार्यमों में शामिल होना। स्पीच थेरेपिस्ट को आडियोलॉजिस्ट के रूप में भी जाना जाता है। ऑडियोलॉजिस्ट एक ऐसा स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर होता है जिसे श्रवण शक्ति की हानि तथा संब(कमियों का मूल्यांकन करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है तथा वह श्रव्य विकलांगता से ग्रस्त व्यक्तियों को परामर्शी सेवाएं भी प्रदान करता है। इससे संबंध्ति रोजगार अस्पतालों, नर्सिंग-होमों, स्कूलों तथा विश्वविद्यालयों, पुनर्वास केंद्रों, अनुसंधन प्रयोगशालाओं आदि में उपलब्ध् हैं। औद्योगिक क्षेत्रा में भी काफी अच्छे अवसर हैं। इस क्षेत्रों में डिप्लोमा, डिग्री और स्नातकोत्तर पाठ्यम उपलब्ध् हैं। आप कर्णावर्त रोपण, श्रव्य सहायता, शैक्षणिक ऑडियोलॉजी, स्पीच एवं लेंग्वेज पैथोलॉजी आदि में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। आपको यह अवश्य सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि चयनित पाठ्यम और संस्थान भारतीय पुनर्वास परिषद ; आरसी आईद्ध से स्वीकृत हों।

5. **ऑक्यूपेशनॅल थेरेपी :** ऑक्यूपेशनल थेरेपी मानसिक या शारीरिक अशक्तता से ग्रस्त व्यक्तियों की सहायता पर केंद्रित होती है। एक ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट के रूप में आपको लोगों की अपने दैनिक जीवन के कार्यों के लिए सक्षमता में सुधर हेतु मदद करनी होती है। आपको ऐसे लोगों की सहायता करनी होगी जो मानसिक, शारीरिक या भावात्मक रूप से अशक्त हैं। ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट न केवल अपने ग्राहकों के बुनियादी गतिविषयक कार्यों में सहायता करता है बल्कि उसके स्थाई रूप से हुए नुकसान की प्रतिपूर्ति के लिए भी कार्य करता है। परम्परागत चिकित्सा और फिटनेस क्षेत्रों में ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्टों की व्यापक मांग है। इस व्यवसाय में प्रशिक्षण के लिए आपके वास्ते डिप्लोमा, स्नातकोत्तर डिप्लोमा और स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यम उपलब्ध् हैं।

6. **डायलिसिस प्रौद्योगिकी :** डायलिसिस प्रौद्योगिकीविद् के रूप में कार्य करते समय आपकी बहुविध् प्रकार की भूमिका हो जाती है। डायलिसिस प्रौद्योगिकीविद् के रूप में आप हिमोडायलिसिस के तत्वों, शरीर के तरल पदार्थों की कैमिस्ट्री, मानव शरीर में पानी संतुलन, गुर्दे की संरचना और शरीर विज्ञान, हिमोडायलिसिस उपकरणों, इन्फ्रयूजन नियंत्राण तथा मानक एहतियात आदि के बारे में सीखना होगा। उन्हें डायलिसिस प्रौद्योगिकीविद् और डायलिसिस थेरेपिस्ट के रूप में नियुक्त किया जाएगा. उन्हें डायलिसिस उपकरण निर्माण क्षेत्रा में भी रोजगार प्राप्त हो सकता है। डायलिसिस प्रौद्योगिकीविद् बनने के लिए आपने गणित, जीवविज्ञान अंग्रेजी विषयों के साथ जमा दो परीक्षा उत्तीर्ण की हो तथा एक कुशल डायलिसिस प्रौद्योगिकीविद् बनने के वास्ते आपको संबंधित विषय में डिप्लोमा, डिग्री, स्नातकोत्तर डिप्लोमा या स्नातकोत्तर डिग्री हासिल करनी होगी।

7. **श्वास थेरेपी :** श्वास थेरेपिस्ट के रूप में आप श्वास की समस्या से पीड़ित रोगियों का मूल्यांकन और इलाज करते हैं। आप रोगियों के पफेपफड़ों की क्षमता की जांच करते हैं तथा ऑक्सीजन और कार्बन डाई-ऑक्साइड के संकेंद्रण का विश्लेषण करते हैं। आप हाइड्रोजन के लिए रोगी की क्षमता की जांच भी करते हैं जिससे रक्त में अम्लता या क्षारीयता का स्तर इंगित होता है। कई बार उन्हें पोलिसोम्नोग्राफिक प्रौद्योगिकिविद के रूप में रोजगार प्राप्त होता है। ऐसे में प्रौद्योगिकीविद नींद से संबंध्ति अध्ययन तथा निगरानी आदि का कार्य करते हैं और वे खर्राटे की शिकायत वाले लोगों का इलाज करते हैं। श्वास थेरेपिस्ट स्वास्थ्य देखभाल टीम का अभिन्न अंग है जो कि वेंटिलेटर प्रबंधन कार्डियोपॅल्मनरी पुनरुजीवन और ऑक्सीजन तथा एरोसोल थेरेपी जैसी सेवाएं प्रदान करते हैं। श्वास थेरेपिस्ट के रूप में वे उच्च जोखिम जन्म में सहयोग करने वाली टीम के एक भाग के तौर पर भी कार्य करते हैं। इस व्यवसाय में रोजगार की भरमार है तथा डिप्लोमा, डिग्री, स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा स्नातकोत्तर डिग्रियां उपलब्ध् हैं।

8 **मेडिकल डोजिमीटरी-** मेडिकल डोजिमिट्रिस्ट विकिरण ऑन्कोलॉजी टीम का प्रमुख सदस्य होता है। वे इलाज क्षेत्रा तकनीक को निर्धरित करने के लिए इलाज की योजनाएं तैयार करते हैं जिससे निर्धरित विकिरण खुराक एकदम सही प्रकार से प्रदान की जा सके। डोजिमिट्रिस्ट को विकिरण ऑन्कोलॉजी तथा चिकित्सा भौतिकी की अच्छी समझ होनी चाहिए ताकि कम्प्यूटरीकृत इलाज योजना तैयार की जा सके और योजना की मंजूरी हेतु इसे विकिरण ऑन्कोलॉजिस्ट को प्रेषित किया जा सके तथा विकिरण थेरेपिस्ट द्व ारा इसका कार्यान्वयन किया जा सके। वे थेरेपी उपकरण के गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण करने में सक्षम होते हैं। उन्हें विकिरण सुरक्षा का कार्यसाधक ज्ञान और परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड के नियमों तथा विनियमों की जानकारी होनी चाहिए। भारत में मेडिकल डोजिमिट्रिस्ट के रूप में कार्य करने के वास्ते लोग विकिरण भौतिक शास्त्रों के साथ -साथ चिकित्सा भौतिक शास्त्रों का अध्ययन कर सकते हैं। यह स्नातकोत्तर डिप्लोमा, स्नातकोत्तर डिग्री और स्नातकोत्तर के उपरांत उन्नत डिप्लोमा के रूप में उपलब्ध् है।

9 **आप्लावन प्रौद्योगिकी** - हृदय के खुले ऑपरेशन के दौरान कार्डियोपल्मॅनरी बाईपास ;हृदय पफेपफड़ाद्ध मशीन रोगी के हृदय और पफेपफड़ों के कार्य करते हुए रोगी के जीवन को बरकरार रखती हैं। अप्लावन प्रौद्योगिकीविद ऑपरेशन कक्ष में प्रयोग होने वाली हृदय फेफड़ा मशीन और अन्य अत्याधुनिक उपकरणों की स्थापना और संचालन का कार्य करते हैं। इसके अलावा वे सर्जन और एनेस्थिसियोलॉजिस्ट के निर्देशानुसार रोगी के ऑक्सीजन और कार्बन डाई-ऑक्साइड स्तर का नियमन करते हैं। इन कार्यों को सम्पन्न करने के लिए उन्हें शरीर की परिसंचारी व्यवस्था की पूर्ण समझ होनी चाहिए तथा गंभीर उपकरणों के संचालन की सक्षमता होनी चाहिए। हालांकि आप्लावन प्रौद्योगिकीविद् सामान्यत: बड़े चिकित्सा केंद्रों से संब(अस्पतालों में कार्य करते हैं लेकिन वे शैक्षणिक संस्थानों में अनुसंधानकर्ता या प्रवक्ता के रूप में भी कार्य कर सकते हैं। इसके अंतर्गत डिप्लोमा, डिग्री और स्नातकोत्तर स्तर पर पाठ्यम उपलब्ध् हैं।

10 **संमण प्रौद्योगिकी** - विसंमण प्रयिा की पतियां तथा स्थितियां और इनकी निगरानी किसी तरह से की जाती है,

यह किसी अस्पताल के लिए महत्वपूर्ण विषय होते हैं। विसंमण तकनीकें प्रतिदिन और अधिक कठिन होती जा रही हैं। प्रत्येक अस्पताल या स्वास्थ्य संगठन के पास अस्पताल में संमण से निपटने की भिन्न-भिन्न पतियां होती हैं जो मानवीय और अस्पताल में स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण प्रयिा है। विसंमण प्रौद्योगिकीविद विसंमण अनुभाग के साथ-साथ संदूषण विंग का प्रमुख होता है। नियंत्रण अस्पताल के लिए सुरक्षित और कम लागत में अच्छी गुणवत्ता के कार्य का वातावरण उपलब्ध् कराने में सक्षम होते हैं। उन्हें विसंदूषण के उद्देश्य, संदूषण नियंत्राण की भूमिका, भिन्न- भिन्न विसंमण व्यवहारों, विसंमण की वैध्ता, सर्जरी में उपकरणों की भूमिका, व्यवस्था और पैकिंग के दौरान उठाए जाने वाले कदमों, विसंमण संकेतकों का प्रयोग, एकल प्रयोग वाले उपकरणों को पुनः जारी करना, भण्डारण एवं वितरण, गुणवत्ता नियंत्राण आदि का पूर्ण ज्ञान होना चाहिए। वे ऑक्यूपेशनल जोखिम कारणों के प्रति भी जागरूक होने चाहिए। इसके तहत डिप्लोमा और स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर पर पाठ्यम उपलब्ध् हैं।

11. परमाणु चिकित्सा प्रौद्योगिकी परमाणु चिकित्सा में रोग के निदान और इलाज तथा अनुसंधन में रेडियो सयि अणुओं तथा मोलेक्यूल्स का प्रयोग किया जाता है। इसके अंतर्गत शरीर की शरीरवृत्ति और चयापचय के अध्ययन के लिए रेडियो आइसोटोप्स का प्रयोग किया जाता है। रोगों का पता लगाने के लिए विकिरण डिटेक्टर्स तथा इमेजिंग उपकरणों का प्रयोग किया जाता है क्योंकि इनसे सामान्य कोशिकाओं, टिश्यू और अंगों के कार्य तथा चयापचय परिवर्तित होते हैं। सुयोग्य कार्मिक परमाणु चिकित्सा प्रौद्योगिकीविद, विकिरण सुरक्षा अधिकारी, रेडियो कैमिस्ट, रेडियोपफार्मासिस्ट, पशु प्रौद्योगिकीविद और अनुप्रयोग विशेषज्ञ के रूप में कार्य कर सकते हैं। परमाणु चिकित्सा में विशेषज्ञ के रूप में आपको रेडियो-बायोलॉजी, रेडियो-पफार्मेसी,विकिरण सुरक्षा, सिंटिग्रापिफक प्रयिाओं, सिंटिग्रापिफक उपकरणों, मानव शरीर-रचना और दैहिक विज्ञान के क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। इसके तहत इस्तेमाल किए जाने वाले प्रमुख उपकरण हैं आइसोटोप कैलीब्रेटर,थाइराइड जांच मशीन, रेक्टिलिनियर स्कैनर, संदूषण मानीटर, गामा कैमरा, स्पैट-सीटी स्कैनर, पीईटी कैमरा, पीईटी-सीटी स्कैनर, गामा जांच, मेडिकल साइक्लोट्रॉन आदि। उन्हें रेडियो पफार्मास्युटिकल्स तैयार करना, प्रयिा अनुसार पर्याप्त मात्रा में दवाएं देना, खुराक देना, सिंटिग्रापिफक प्रोटोकॉल्स का पूर्णतः अनुपालन, रेडियो पफार्मास्युटिकल्स तथा उपकरणों के गुणवत्ता नियंत्राण के दायरे का मूल्यांकन, रिकार्ड कीपिंग और विकिरण सुरक्षा के दायरे की व्यवस्था करना। इस क्षेत्रों में डिग्री, स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा स्नातकोत्तर डिग्री कार्यम संचालित किए जाते हैं।

12. **पोडियट्री पोडियट्री संब** (स्वास्थ्य विज्ञान का एक क्षेत्र है जिसके अंतर्गत पैर और टखने से संबंध्ति रोगों के निदान एवं इलाज पर केंद्रित, रोगियों के पूर्ण स्वास्थ्य में सुधर हेतु किए जाने वाले कार्य आते हैं। मनुष्य का पैर एक जैविकीय श्रेष्ठकृति है। इसकी तुलना अन्ततः किसी दौड़ने वाली कार या अंतरिक्ष शटल से की जा सकती है जिनके कार्यों से उनके डिजाइन और ढांचे का पता चलता है। मनुष्य का पांव शरीर का एक जटिल भाग है जिसमें 26 हड्डियां, 33 जोड़ और 100 से अध्कि नसें, मांसपेशियां और स्नायु तंत्रा का नेटवर्क है। चलने-फिरने के प्रत्येक दिन औसतन पांव कई सौ टन वजन के बराबर बल को झेलता है। इससे स्पष्ट होता है कि आपके पांव की शरीर के अन्य भागों की अपेक्षा अधिक चोटिल होने की आशंका क्यों होती है। पोडियाट्रिस्ट विभिन्न प्रकार के रोगियों के लिए पांव की देखभाल का मूल्यांकन और विश्लेषण कार्य करते हैं। वे रोगियों को चलने-पिफरने की स्थिति में रखने में बड़ा योगदान करते हैं। वे निदान के औजार के रूप में बायोमैकेनिक्स का प्रयोग करते हैं। वे मुख्यतः खेल के दौरान लगने वाली चोट की देखभाल करते हैं। कुछ रोगियों के पांव में कुछ भी संवेदन नहीं होता। वे बग़ैर पता चले चोटिल हो जाते हैं। इस श्रेणी में आने वाले रोगियों में मधुमेह, गठिया रोग, प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात, पेरिपफेरॅल आर्टेरियल रोग तथ पेरिपफेरल नसों के नष्ट होने से संबंध्ति होने वाले रोगों से संबंध्ति व्यक्ति शामिल हैं। इन लोगों की देखभाल के लिए पोडियाट्रिस्ट्स की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इस क्षेत्रों से जुड़े व्यावसायिकों की भारत और विदेश में व्यापक मांग है। इसके अंतर्गत डिप्लोमा और स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यम उपलब्ध् हैं।

13. **रेडियोग्राफी या मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी** रोग का निदान करने वाले रेडियोग्रापफर शरीर के अंगों और अन्य हिस्सों की प्रतिकृति तैयार करने के वास्ते एक्स-रे, अल्ट्रासाउण्ड,फ्रलुरोस्कोपी, कम्प्यूटरीकृत टेमोग्रापफी ;सीटीद्ध, मेमोग्रापफी, मैगनेटिक रेसोनेंस इमेजिंग ;एमआरआईद्ध, परमाणु चिकित्सा तथा एंजियोग्रापफी का प्रयोग करते हैं। रेडियोग्राफर भिन्न-भिन्न प्रकार के रोगियों की एक्स-रे जांच करते हैं। इसके अंतर्गत सामान्य एक्स-रे से लेकर कन्ट्रास्ट मीडिया के प्रयोग से गुर्दे की जांच का काम किया जाता है। रेडियोग्राफर बहिरंग विभाग में कार्य करते हैं तथा सर्जरी में कठिन प्रयिाओं से जुड़े काम करते हैं तथा अस्पतालों में सभी उम्र के रोगियों की निर्धरित जांच करते हैं। डायग्नॉस्टक रेडियोग्रापफर को व्यक्ति विशेष से संबंध्ति प्रयिाओं की प्रकृति और गंभीरता के संबंध् में निर्णय लेने के लिए क्लीनिकल रिजनिंग कौशल का प्रयोग करना होता है। उन्हें सामान्य और असामान्य शरीर-रचना तथा पैथोलॉजी की जांच के लिए प्रशिक्षित किया जाता है ताकि चिकित्सा विशेषज्ञ की रोग के सही निदान के वास्ते सहायता की जा सके और पूरक तकनीकों का इस्तेमाल किया जा सके। जब भी उनसे अनुरोध् किया जाए, उन्हें प्रयिाओं के परिणामों के संबंध् में स्वास्थ्य विशेषज्ञ को यह जानकारी उपलब्ध् करानी होती है। डायग्नॉस्टिक रेडियोग्राफर के पास इमेजिंग से जुड़े विशेषज्ञ कार्यों जैसे कि अल्ट्रासाउण्ड,सीटी, एमआरआई आदि में विशेषज्ञतापूर्ण अवसर भी उपलब्ध होते हैं। रेडियोग्राफर किसी अस्पताल में दुर्घटना और आपातकाल,बहिरंग क्लीनिकों, ऑपरेटिंग थिएटरों, सघन चिकित्सा इकाइयों और सामान्य वार्डों सहित सभी विभागों को अपनी सेवाएं प्रदान करता है। भारत में इस क्षेत्रों में डिप्लोमा डिग्री और स्नातकोत्तर पाठ्यम उपलब्ध् हैं। छात्रा विशिष्ट डायग्नॉस्टिक रेडियोग्रापफी के क्षेत्रा में विशेषज्ञता भी हासिल कर सकते हैं। इस विषय क्षेत्रों के लिए छात्रा यहां तक कि भारत और विदेश में स्थित दूरस्थ शिक्षण संस्थानों से भी संपर्क स्थापित कर सकते हैं।

14. **पॉलीसोमनोग्रापिफक टेक्नोलॉजी** एक पॉलीसोमनोग्रापिफक प्रौद्योगिकीविद नींद से संबंध्ति अध्ययन, निगरानी और स्कोर्स का कार्य करते हैं। खर्राटों की शिकायत, दिन के समय यादा नींद महसूस होना, आरामरहित टांगें और अन्य नींद से जुड़ी समस्याओं से संबंधित रोगियों के शयनप्रयोगशालाओं में रातभर परीक्षण किए जाते हैं।

निम्नलिखित कार्य करते हैं

फिजिशियन द्व ारा निर्देशित विभिन्न प्रकार के निद्रा संबंधी अध्ययन।
रोगियों की मस्तिष्कीय तरंगों तथा अन्य मनोवैज्ञानिक गतिविधियों का वैद्युतीय मापन।
छोटी-मोटी कमियों को दुरुस्त करने सहित उपकरणों का संचालन और सामंजस्य।
विश्लेषण के लिए जैविकीय नमूनों को संग्रहीत और प्रसारित करना।
सामान्य रोगी का मूल्यांकन करना और रिकार्ड तैयार करना। निद्रा रोग से पीड़ित व्यक्तियों की जांच में पिफजिशियन की सहायता करना तथा अन्य परिणामी दस्तावेज और नींद संबंधी आंकड़े तथा रिकार्ड तैयार करना। निद्रा चिकित्सा के क्षेत्रा में तेजी से उभरता क्षेत्रों है निद्रा -व्यतिम श्वास यिा, विशेष रूप से ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एनीया सिन्ड्रोम ;ओएसएएसद्ध, जिसे कई दफा ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एनीयाहाईपोनिया सिंड्रोम ;ओएसएएच एसद्ध भी कहा जाता है। श्वासरोध् 10 सेकेण्ड या अध्कि समय के लिए श्वसन यिा और एयरफ्रलो दोनों में से कोई एक या दोनों प्रकार की अवसान है। भारत में पॉलीसोमनोग्रापिफक प्रौद्योगिकी का हाल में विस्तार हुआ है। यह अब श्वास-यिा से जुड़ी चिकित्सा से संबंधित है।

बीके अस्पताल की पीएमओ का फूटा गुस्सा, कर्मचारियों को लगाई फटकार

Faridabad/Alive News

इमरजेंसी के बाहर मरीजों के लिए रखी जाने वाली स्ट्रेचर और व्हील चेयर नदारद होने पर बीके अस्पताल की पीएमओ डॉ. सविता यादव ने कर्मियों को फटकार लगाई। उन्होंने मंगलवार सुबह पहले औचक निरीक्षण किया।

पीएमओ डॉ. सविता यादव ने बताया कि इमरजेंसी में आने वाला हर मरीज गंभीर होता है। उन मरीजों की सुविधा के लिए चार स्ट्रेचर और चार व्हीलचेयर इमरजेंसी के बाहर मौजूद रहती हैं। मंगलवार की सुबह 9 बजे जब वह आईं तो दोनों में से कुछ भी मौजूद नहीं था। इसके बाद कर्मचारी को बुलाकर फटकार लगाते हुए कहा कि वह इन बातों का खास ध्यान रखें।

उसके बाद इमरजेंसी के अंदर जगह-जगह छोटे-छोटे जाले लगे होने की वजह से सुपरवाइजर को फटकार लगाई और शाम तक साफ करने का कहा। इसके अलावा इमरजेंसी में भर्ती मरीजों के लिए शौचालय बनाए हुए हैं। शौचालय का गेट नहीं होने की वजह से कई बार बदबू आती है। इसलिए नया गेट लगाने के लिए आदेश दिए गए। वहीं, बीपी और पल्स को चेक करने वाले कुछ मॉनिटर खराब पड़े हुए हैं, उनको भी ठीक करवाने के लिए कहा गया।

ऊंची आवाज में फोन देखने के लिए किया मना

प्रतीक्षालय में बैठे कुछ परिजन ऊंची आवाज में फोन चला रहे थे। इसकी वजह से अस्पताल में भर्ती मरीजों को परेशानी हो रही थी। उसके लिए पीएमओ ने सभी परिजनों को कहा कि वह कान में लीड लगाकर फोन देखें। वहीं, प्रतीक्षालय के पास मौजूद सिक्यूरिटी गार्ड को भी आदेश दिए कि फोन की ऊंची आवाज सुनते ही परिजनों को मना किया जाए। इसके अलावा मरीज के साथ अगर कोई परिजन वार्ड में मौजूद है तो वह मरीज के बेड पर न बैठकर कुर्सी पर बैठेगा। क्योंकि इससे मरीज को इंफेक्शन होने का डर लगा रहता है।

सावधान! मोबाईल व टीवी से चिपके रहने के कारण ऑटिज्म बीमारी का शिकार हो रहे हैं बच्चें

Faridabad/Alive News

ऑटिज्म बच्चों और युवाओं को मानसिक रूप से कमजोर बना रहा है। 1 से 18 साल के बच्चे और युवा इस बीमारी से अधिक ग्रस्त हैं। ऑटिज्म से पीड़ित कुछ बच्चें दूसरे व्यक्ति से मिलने और बात करने मे डरते हैं। वह अकेले रहना पसंद करते है। जबकि अन्य मरीज मेल मिलाप में सक्षम होते है पर उन्हें काम करने के लिए किसी दूसरे की मदद लेनी पड़ती है। इसका असर बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर पड़ता है। डॉक्टरों की माने तो पहले ऑटिज्म के साल में एक दो मामले सामने आते थे। लेकिन अब ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है।

मरीजों में मिलते है अलग अलग लक्षण

बातचीत के दौरान बीके अस्पताल की साइकोलॉजिस्ट डॉक्टर वंदना ने बताया कि वर्ष 2023 में ऑटिज?म के लगभग 23 मरीजों की पहचान हुई थी। ऑटिज्म से पीड़ित लोग भी एक-दूसरे से अलग होते हैं। अलग-अलग मरीजों को अलग-अलग लक्षण महसूस हो सकते हैं। ऑटिज्म से पीड़ित कुछ मरीज जब मोबाइल या टीवी देखते हैं तो वह फोन में चल रहे गाने को सुनकर रिएक्ट करते हैं। यहां तक की

कार्टून की आवाज तक निकालते हैं। लेकिन जब माता-पिता या अन्य कोई व्यक्ति कुछ बोलता है तो वह सुनते नहीं है और न ही कोई रिएक्ट करते है। ऐसे पेशेंट नई जगह असहज महसूस करते है और गुस्सा ज्यादा करते है। जबकि कई मामलों में देखा गया है कि इससे पीड़ित लोग नौकरी करने, परिवार और दोस्तों के साथ मेल-मिलाप करने में सक्षम होते हैं, लेकिन कई बार उन्हें इसके लिए दूसरों की मदद लेनी पड़ती है। जहां कुछ लोगों को पढ़ने-लिखने में परेशानी होती है तो वहीं ऑटिज?म के कुछ मरीज या तो पढ़ने लिखने में बहुत तेज होते हैं या सामान?य होते हैं।

क्या कहना है लोगों का

भारत कॉलोनी निवासी सरोज ने बताया कि उनका बेटा बोलने पर सुनता नहीं है। लेकिन पढ़ने और लिखने में बिल्कुल ठीक है। लेकिन वह अन्य बच्चों के साथ खेलने और बात करने में डरता है। डॉक्टर से दिखाया तो पता चला कि इसको ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसॉर्डर है। अभी बीके अस्पताल में इसकी काउंसलिंग चल रही है।

वहीं, सेक्टर -23 निवासी महेंद्र कुमार ने बताया कि उनका बेटा दूसरी कक्षा में पढ़ता है। वह फोन और टीवी में कार्टून देखते वक्त आवाज सुनकर रिएक्ट करता है। लेकिन माता पिता और दोस्तो के बोलने पर सुनता नहीं है और न ही रिएक्ट करता है।

वर्चुअल ऑटिज्म के हैं सबसे अधिक मामले

वर्चुअल ऑटिज्म के सबसे अधिक 4 से 5 साल के बच्चें पीड़ित है। यह बच्चों द्वारा ज्यादा मोबाइल फोन, कंप्यूटर और इलेक्ट्रोनिक गैजेट की लत की वजह से ऐसा होता है। स्मार्टफोन, टीवी और लैपटॉप पर अधिक समय बीतने वाले बच्चें दूसरो से बात नहीं कर पाते और बोलने में हकलाते है। इसके अलावा ज्यादा गुस्सा करते है। इसे वर्चुअल ऑटिज्म कहा जाता है।

हुड़दं करने से किया मना तो नशेबाज लड़कों ने पुलिस कर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर जूतों से पीटा

Faridabad/Alive News

हरियाणा के फरीदाबाद जिले में पुलिस की पीटे जाने का वीडियो सामने आया है। अमूमन पुलिस गुंडों की लाठी-डंडों से पिटाई करती है, लेकिन फरीदाबाद में इसके विपरीत हो गया है. फरीदाबाद के कुछ उपद्रवी और नशेबाज लड़कों ने पुलिस कर्मियों की जूतों से दौड़ा-दौड़ाकर पीटा है। यह पूरा वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा. जो कि यह वीडियो फरीदाबाद का बताया जा रहा है। आरोपी युवक स्विमिंग पूल में शराब पीकर हुड़दंग मचा रहे थे. जैसे ही इस बात की सूचना पुलिस को मिली तो वह घटना स्थल पर जा पहुंचे। पुलिस ने स्विमिंग पूल में शराब के नशे में हुड़दंग करने वाले युवकों को ऐसा करने से मना किया। इसी बात पर नाराज नशेड़ी युवकों ने पुलिस के ऊपर ही हमला कर दिया। स्विमिंग पूल में नहा रहे नशेड़ी युवकों ने पुलिसवालों को भद्दी गालियां देते हुए जूते और थप्पड़ों से मारना शुरू कर दिया। इस पूरे घटना का वीडियो भी सामने आया है। इसमें साफ दिख रहा हि कि 4-5 लड़के पुलिसवालों के मुंह में जूतों से पीट रहे हैं। पुलिसवाले अपनी जान बचाकर वहां से भागते हुए भी देखे। पुलिस की पिटाई का यह पूरा मामला 21 से 22 मार्च का बताया जा रहा है। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की है। पुलिस ने कहा कि इस घटना का वीडियो वायरल हुआ था, उसके बाद से पुलिस आरोपी लड़कों की पहचान में जुटी हुई थी। अब इन उपद्रवी लड़कों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

18वीं लोकसभा चुनाव के लिए मतदान करने वालों को बाजार से खरीद पर मिलेगी छूटः विक्रम सिंह

Faridabad/Alive News

लोक सभा निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि 18वीं लोकसभा चुनाव के लिए मतदान करने वालों को बाजार से खरीद पर छूट व्यापारियों की तरफ से मिलेगी। अधिकारी विक्रम सिंह ने शहर की व्यापारिक प्रतिष्ठानों की संस्थाओं के प्रतिनिधियों संग मंत्रणा करके यह निर्णय लिया है।उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार व्यापारिक प्रतिष्ठानों की संस्थाएं शहर के मतदाताओं को मतदान के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

उन्होंने कहा कि फरीदाबाद शहर के भीड़-भाड़ वाले बाज़ार जैसे की एनआईटी नम्बर एक और नम्बर पांच, जवाहर कॉलोनी, ओल्ड फरीदाबाद, बल्लभगढ़ बाजार सहित शहर के विभिन्न स्थानों से आए व्यापारियों से मंत्रणा करके, मतदान करने वाले मतदाताओं को विशेष छूट देने का फैसला लिया गया है। इस विशेष चर्चा में बाज़ार के प्रधानों एवं व्यापारियों संस्थानों के प्रतिनिधियों का स्वयं से समर्थन देखने को मिला।

प्रधानों तथा व्यापारी संस्थानों के प्रतिनिधियों की मांग थी कि प्रशासन की और से विज्ञापन व प्रकाशन की व्यवस्था करवा दी जाए। जोकि व्यापारियों यह एक अच्छी पहल लगी और जहां उन्होंने लोक सभा निर्वाचन अधिकारी को अपना पूर्ण समर्थन दिया।अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि इस तरह की पहल से फरीदाबाद शहर अन्य शहर वासियो के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी।

जिसमें मतदाताओं को 18 वीं लोकसभा चुनाव के दौरान मतदान का प्रयोग अच्छे से किया जाएगा। लोक सभा निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने दुकान दारो से कहा कि 25 मई के बाद उंगली पर चुनाव स्याही का निशान देख कर ही खरीदारों को खरीद करने पर छूट उपलब्ध कराई जाएगी। लोक सभा निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि ऐसा करना भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार केवल मतदाताओं को मतदान के प्रति प्रोत्साहन देना है। बैठक में एडीसी आनन्द शर्मा, एसडीएम बड़खल अमित मान, एसडीएम फरीदाबाद शिखा अन्तिल, एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोक चंद, सीटीएम अंकित कुमार सहित अन्य कई विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने भाजपा के स्थापना दिवस पर कार्यालय पर फहराया पार्टी का झंड़ा

Faridabad/Alive News

हरियाणा के मुख्यमंत्री एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी ने भाजपा 44वें स्थापना दिवस पर फरीदाबाद में पार्टी का झंड़ा फहराते हुए कहा कि संसद में दो सीटों से अपनी यात्रा की शुरुआत करने वाली भाजपा इस बार 400 पार करेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि अब वोटिंग तक वे घर न बैठें, बल्कि पब्लिक में जाकर माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए विकास कार्यों के दम पर गर्व के साथ जनता के बीच जाएं और वोट मांगे। जनता का आशीर्वाद भाजपा और नरेंद्र मोदी के साथ है, इसलिए इस बार भी हरियाणा से सभी दसों लोकसभा सीटें जिताकर मोदी के पास भेजेंगे। मुख्यमंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी ने भाजपा कार्यालय अटल कमल में झंडा फहराने के बाद उपस्थित कार्यकर्ताओं के सामने पार्टी की अब तक की यात्रा का भी वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की 6 अप्रैल 1980 को स्थापना हुई। दो सीट से शुरू हुई यात्रा 303 पर चली गई है। देश आज एक सुर में बोल रहा है अबकी बार 400 पार। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास का एक नया आयाम छुआ है। उन्होंने 2024 में

एक बार फिर डबल इंजन की सरकार हरियाणा में देख रहा हूं। जनता का मैंडेट लेकर तीसरी बार हरियाणा में कमल का फूल खिलेगा। प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार फरीदाबाद पहुंचे तो कार्यकर्ताओं में भी जबरदस्त उत्साह देखने को मिला और सभी अपने मुख्यमंत्री का जबरदस्त एवं भव्य स्वागत किया। भाजपा जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने मुख्यमंत्री का जिला कार्यालय पर स्वागत किया और स्मृति चिन्ह भेंट किया। केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा, शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा, विधायक राजेश नागर, नरेन्द्र गुप्ता, राष्ट्रीय परिषद् सदस्य संदीप जोशी, लोकसभा संयोजक अजय गौड़ आदि नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं और पगड़ी पहनाकर ढोल नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया

नेहरु कॉलेज में एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्टार्टअप कार्यक्रम का आयोजन

Faridabad/Alive News

पंडित जवाहरलाल नेहरु राजकीय महाविद्यालय फरीदाबाद में ज्योग्राफी विभाग तथा ढ्ढक्कसेल द्वारा एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्टार्टअप कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके मुख्य अतिथि मोटिवेशनल स्पीकर अमन कुमार गुप्ता रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को नया बिजनेस शुरु करने के लिए सरकार द्वारा दी गई नई योजनाओं के बारे में अवगत कराया की सरकार आज के युग में किसी भी बिजनेस को शुरुआत करने से पहले लोन प्रोवाइड करती है और अपना काम शुरू करने के लिए प्रेरित करती हैं। आज के युग में जो नई तकनीक से बिजनेस शुरू किए जा रहे हैं उनके बारे में अवगत कराया जैसे एम.बी.ए. चायवाला, बी.टेक. पानीपूरीवाला, जोमेटो, अमेजन आदि के बारे में अवगत कराया । विद्यार्थी शुरुआत से ही अपनी नई तकनीक लगाकर अपने बिजनेस को अच्छे स्तर पर ले जा सकते हैं। ज्योग्राफी विभाग के प्रोफेसर अशोक अहलावत ने विद्यार्थियों को बताया कि आज के युग में रचनात्मक सोच का होना बहुत ही महत्वपूर्ण है। आज के युग में केवल नौकरी प्राप्त करने के उद्देश्य रखने से बेहतर है स्वयं नए रोजगार उत्पन्न करना। ताकि अन्य लोगों रोजगार के अवसर प्रदान कर सकें। महाविद्यालय की प्रचार्या डॉ रुचिर खुल्लर ने विद्यार्थियों को बताया कि आज का युग आधुनिक है । देश की उन्नति में हम भी अपना योगदान दे सकें इसके लिए हमें विभिन्न तरीकों से काम करने की आवश्यकता है। प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह, प्रोफेसर ललित कुमार भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे ।

वार्ड-7 में सीवर ओवरफ्लो की समस्या से लोग परेशान

Faridabad/Alive News

वार्ड-7 की जवाहर कॉलोनी की सारन स्कूल के पीछे गली नबर-2 में काफी समय से सीवर ओवरफ्लो की समस्या बनी हुई है। गली में सीवर का दूषित पानी जमा होने से स्थानीय लोग परेशान है। गली में दूषित पानी जमा होने के कारण लोगों का घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है।

वहीं, दूसरी ओर देखा जाए तो गली में दूषित पानी जमा होने के कारण इस मार्ग से लोगों का पैदल निकलना मुश्किल हो रहा है। गली में एकत्रित सीवर का गंदा पानी स्थानीय निवासियों के बीच विभिन्न बीमारियों का कारण बना हुआ है। गंदे पानी से उठ रही बदबू के कारण लोगों का मौहल्ले में रहना भी मुश्किल हो रहा है।

क्या कहना है लोगों का

हमारे यहां काफी समय से सीवर ओवरफ्लो हो रहा है। इसकी वजह से घर से निकलना भी मुश्किल हो रहा है। काफी बार शिकायत कर चुके हैं लेकिन कर्मचारी स्थाई समाधान नही कर रहे हैं।

-विक्रम सिंह राठौर, स्थानीय निवासी।

बदबू के कारण हमारा यहां रहना मुश्किल हो रहा है। स्कूल के बच्चे गंदगी से होकर गुजर रहे हैं। बीमारी बढ़ने का खतरा बना हुआ है।

-नीतेश, स्थानीय निवासी।

क्या कहना है अधिकारी का

वार्ड-7 में सीवर सफाई का काम चल रहा है। हां कुछ गलियों से सीवर ओवरफ्लो की शिकायत आ रही है। उनका साथ साथ समाधान कराया जा रहा है।

-राजेश शर्मा, एसडीओङ्क नगर निगम फरीदाबाद।

सावधान! आगे जुगाड़ से ढका है खुला मेन हॉल

Faridabad/Alive News

चंदीला गांव में लोगों ने खुले मेन होल को जुगाड़ से ढका हुआ है। यह सीवर का खुला मेन होल निवर्तमान पार्षद सतीश चंदीला के निवास के सामने सड़क के बीचों-बीच है। हादसा न हो उसके संकेत के लिए लोगों ने लकड़ी के डंडे सीवर पर लगाए हुए है। लेकिन नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारियों की इस पर कोई नज़र नहीं है और नही निवर्तमान पार्षद टूटे ढक्कन को चेंज करा पा रहे हैं।

दरअसल, सीवर के ढक्कन बदलने का काम नगर निगम

अधिकारी व कर्मचारियों के लिए सेवा के अधिकार के तहत आता है। लेकिन फिर भी कर्मचारी सीवर के खुले मेन होल को काफी लंबे समय से नजरअंदाज कर रहे हैं। शायद अधिकारी और कर्मचारियों को बड़े हादसे का इंतजार हैं।

क्या कहना है लोगों का

सड़क के बीचों बीच इस सीवर के ढक्कन के टूटने की वजह से कभी भी कोई हादसा हो सकता है। ऐसे में इसे जल्द से जल्द ठीक करवाना बेहद जरूरी है।

-सरोज, स्थानीय निवासी।

सीवर लाइन के ढक्कन के टूटने की वजह से यहां पर घूम रहे आवारा पशुओं का खतरा भी बना रहता है। खासतौर पर रात के अंधेरे में दुपहिया वाहन चालकों के साथ हादसा होने का खतरा ज्यादा बना हुआ है।

-मनीष, स्थानीय निवासी।

गांव के इस मार्ग से स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों का आना जाना होता है। यहां सीवर लाइन का ढक्कन टूटा हुआ है इस कारण से कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है।

-रमेश कुमार, स्थानीय निवासी।

वार्ड-9 में चार महीने पहले शिकायत देने के बाद भी शुरू नही हुआ डोर टू डोर कूड़े का कलेक्शन

Faridabad/Alive News

वार्ड-9 की पुरानी पुलिस चौकी गली से डोर टू डोर कूड़े का कलेक्शन नही हो रहा है जिससे मुख्य सड़कों और चौराहों पर गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। लोगों का आरोप है कि नगर निगम में चार महीने पहले शिकायत देने के बाद भी डोर टू डोर कूड़े का कलेक्शन अभी तक शुरू नही हुआ। हालांकि जिस स्वास्थ्य अधिकारियों को शिकायत दी गई थी वह भ्रष्टाचार के मामले में जेल जा चुके हैं और अब लोगों ने कूड़े के कलेक्शन की उम्मीद छोड़ दी है । उपरोक्त शिकायत को लेकर स्थानीय निवासी ब्रह्मनंद, पप्पू, बृजेश ने आज बुधवार को फिर नगर निगम अधिकारियों को शिकायत देकर मांग की है कि साल भर से उनकी गली में कूड़ा कलेशन के लिए कोई गाड़ी नही आ रही है। उन्होंने शिकायत में कहा है कि कूड़ा कलेक्शन के लिए वह नगर निगम को पैसा देने के लिए भी तैयार है ताकि यहां के लोगों को गंदगी से राहत मिल सके। लेकिन हर रोज गली में गाड़ी न आने के कारण आसपास के खाली प्लॉट और चौक-चौराहों पर कूड़े के अंबार लगे हुए हैं। स्थानीय लोगों ने नगर निगम के प्रति नाराजगी दिखाई है और कहा है कि अगर समस्या का समाधान नही होता है तो नगर निगम मुख्यालय पर मजबूर होकर धरना प्रदर्शन करेंगे।

क्या कहना है अधिकारी का

कूड़े की गाड़ी न पहुंचने की समस्या आपके माध्यम से संज्ञान में आई है। इसका ठेकेदार को कहकर जल्द समाधान कराया जायेगा।

-राजेश शर्मा, एसडीओ नगर निगम फरीदाबाद।

अभिभावक मंच ने कहा सबूत बच्चों के बस्ते में, स्कूलों में जाकर अधिकारी करें चेक

Faridabad/Alive News

शिक्षा निदेशालय पंचकूला ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को आदेश भेजकर कहा है कि वे सभी सरकारी व निजी स्कूलों में एनसीईआरटी पाठ्यक्रम से जुड़ी पुस्तकें ही लगवाना सुनिश्चित करें अगर कोई स्कूल संचालक उनकी जगह प्राइवेट प्रकाशकों की किताबें लगाता है तो उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनके नाम शिक्षा निदेशक को भेजें, इसके अलावा स्कूलों में जाकर नर्सरी से लेकर 12वीं तक के बच्चों के बस्ते का जो बज़न निर्धारित किया गया है। उसकी जांच करें अगर बजन ज्यादा मिलता है तो उस पर भी कार्रवाई करें।

हरियाणा अभिभावक एकता मंच का कहना है कि जिला शिक्षा अधिकारी इन आदेशों का पालन नहीं करवा पा रही हैं। मंच का आरोप है कि जिला शिक्षा अधिकारी इन आदेशों पर तब कार्रवाई करते हैं जब अभिभावक पूरी तरह से लूट पिट जाते हैं और प्राइवेट प्रकाशकों की किताबें खरीद लेते हैं। खाना पूर्ति के लिए नामी गिरामी स्कूलों की जगह 2,,3 छोटे स्कूलों में जाकर कार्रवाई की जाती है। आपसी सांठगांठ के चलते पिछले 3 साल से ऐसा ही खेल चल रहा है।

मंच के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट ओपी शर्मा व प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा ने कहा है कि मंच की ओर से 3 अप्रैल को डीईओ को पत्र भेजकर सूचित किया गया था कि प्राइवेट स्कूल संचालक अपने स्कूल के अंदर खुली दुकानों से या बाहर बताई गई अपनी दुकानों से एनसीईआरटी की किताबों की जगह कमीशन खाने के चक्कर में प्राइवेट प्रकाशकों की मोटी और महंगी किताबें पेरेंट्स से खरीदवा रहे हैं। इससे एक तो पेरेंट्स पर आर्थिक दबाव पड़ रहा है दूसरा केंद्र और

राज्य सरकार द्वारा निर्धारित किए गए बजन से ज्यादा बजन बच्चों के बस्ते पर डाला जा रहा है। मंच का आरोप है कि जिला शिक्षा अधिकारी ने अभी तक मंच के पत्र पर कोई भी उचित कार्रवाई नहीं की है। मंच ने इसकी शिकायत शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा से की है। मंच के प्रदेश संरक्षक सुभाष लांबा व लीगल एडवाइजर एडवोकेट बीएस बिरदी ने कहा है जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय स्कूलों की इस मनमानी का सबूत मांग रहा है जबकि सबूत अपने मासूम कंधों पर भारी भरकम बस्ते का बोझ लादकर स्कूल जा रहे छात्रों के बस्ते में मौजूद है। जो सबको तो दिखाई दे रहा है लेकिन जिला शिक्षा अधिकारी को नहीं दिखाई दे रहा है। अभिभावक स्कूलों की मनमानी के शिकार हो रहे हैं, परेशान हैं, दुखी हैं लेकिन इसका असर ना तो स्कूल वालों पर हो रहा है और ना शिक्षा विभाग व जिला प्रशासन के अधिकारियों पर हो रहा है।

युवा आगे आएंगे तभी होगा राष्ट्र-समाज का कल्याण

अरुण कुमार दीक्षित

भारत में बाजारवाद युवाओं को यह समझाने में सफल रहा कि मकान, कार, आधुनिक सामग्री व्यक्ति को श्रेष्ठ और बड़ा बनाते हैं। कहीं तक बात ठीक भी है। दूसरी तरफ परंपराएं हैं। वह क्षीण हो रही हैं। वह अब बासी हो चुकी हैं। परंपराएं युवाओं को अब नहीं रोक पा रही हैं। पहले भी तर्क थे। एक पीढ़ी से दूसरी के बीच के समय अंतराल के । आधुनिकता के नाम पर सारे बंधन युवा तोड़ रहे हैं। आधुनिकता के सामने परंपराओं की दृष्टि चौंधिया गई हैं। संस्कृति और परम्परा दोनों अलग-अलग होते हैं। जीवन प्रतिमान बदल गए हैं। अब बाजार ही हमारी जीवन शैली का अधिकांश भाग तय करती है। युवा बाजार की चपेट में है। आज युवा क्या कर रहा है? राजनीतिक भागीदारी कितनी है? युवा प्रश्न नहीं उठा रहा ? जिन राष्ट्र-समाजों के युवा प्रश्नों से विरत हैं उनका नेतृत्व कैसा होगा? यह अपने आप में बड़ा सवाल है। भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए युवाओं को ही आगे आना होगा, तभी राष्ट्र और समाज का कल्याण होगा।

राजनीति में युवाओं की अहम भूमिका है। युवा अपने विचारों से हर क्षेत्र को प्रभावित करते हैं। वे जिस विचार की ओर अग्रसर होते हैं, समाज उससे प्रभावित होता ही है। आज दुनिया में सर्वाधिक मांग युवाओं की है। भारत की राजनीति में सबसे अधिक मांग युवा विचारों के साथ युवाओं की ही रहती है।भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को युवाओं ने ही धार दी थी। युवाओं के आकर्षण का केंद्र राजनीति है। वह राजनीति उन्हें आकर्षित करती है। भारत की राजनीति ने युवा मन को निराश किया है। राजनीति युवाओं में विराट लक्ष्य नहीं देखती। राजनीतिक दलों से जुड़े युवा कभी इस दल तो कभी उस दल के हाईकमान का जयघोष करते हैं। ऐसा कर वे एक तरह से अपने ही श्रम-समय का नुकसान करते हैं। युवा सपने देखते हैं और सफल होते हैं। विफल भी होते हैं। टूटते हैं। आज युवा बेरोजगारी से टकरा रहे हैं। युवाओं पर पढ़ाई के साथ परिवार वालों का भी दबाव होता है कि कुछ कर दिखाना है। अनेक युवा भारतीय राजनीति में आए। उन्होंने लगातार समाज के वंचितों के लिए काम किया। समाचार पत्र निकाले। समाज-राष्ट्र की समस्याओं के समाधान को अपने जीवन का मिशन बनाया। बड़े राजनेता बने। पत्रकार बने ।अधिकारी बने। ऐसे युवाओं की बड़ी संख्या है कि वह पहले प्रशासनिक अधिकारी बने। बाद में सीधे राजनीति में कूदे । कुछ को सरकारों ने ही पुरस्कृत किया। कुछ आजीवन संघर्षरत रहे। सरकारों ने युवा नीति को लेकर अब तक क्या किया, यह भी समझना आवश्यक है।

भारत में पहली बार युवानीति सन् 1988 में संसद के दोनों सदनों में रखी गई। युवा मामलों और खेल विभाग को इसके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सौंपी गई। उद्देश्य था कि युवा नीति उनके व्यक्तित्व व कार्य क्षमता को मजबूत बनाए। वर्ष 2003में फिर युवा राष्ट्रनीति पर चर्चा हुई। 2003 में 13 से 35 वर्ष के आयु के व्यक्ति को युवा के रूप में परिभाषित किया गया। वर्ष 2014 में भाजपा सरकार ने युवाओं के समग्र विकास की वचनबद्धता दोहराई। वर्ष 2023 मे केंद्र सरकार ने युवाओं को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा की आवश्यकता बताते हुए कहा कि यह शिक्षा व्यावसायिक कौशल सिखाती है।समग्र विकास में सहायक है। इस नीति का उद्देश्य युवाओं को आत्मविश्वास से मजबूत करना है। उन्हें आर्थिक मजबूती देनी है और उन्हें शारीरिक और

मानसिक स्तर पर सबल बनाना है। उनका समग्र विकास करना है। युवा नेतृत्व एवं विकास स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल आदि के विषय वर्ष 2023 से 2032 का मसौदा है और यह मसौदा वर्तमान में युवा मामले और खेल मंत्रालय के अधीन विचाराधीन है। केंद्र सरकार ने मसौदा नीति पर सुझाव मांगे हैं।

संयुक्त राष्ट्र संघ की दृष्टि में युवावस्था को सामान्यतः परिवर्तन के तौर पर माना जाता है। युवा वयस्कता की सामाजिक कसौटियों, रोजगार, परिवार और एक उत्पादक नागरिक के रूप में प्रयास कर रहे हैं। युवा परिवर्तन के प्रतिनिधि हैं। युवा शब्द के लिए अंग्रेजी में एक शब्द है जियोंग। इसका अर्थ युवा, युवक नया है, वहीं संस्कृत का शब्द युवान है। इसका अर्थ युवा-युवक है। भारतीय राजनीति को महात्मा गांधी, डॉ. राम मनोहर लोहिया और अंबेडकर तीनों नेताओं ने सबसे अधिक प्रभावित किया है। तीनों महापुरुषों की भिन्न-भिन्न विचारधारा चलीं। युवा गांधी दक्षिण अफ्रीका में प्रिटोरिया से डरबन जाते समय रेल में रंगभेद का शिकार हुए। गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में इंडियन ओपिनियन अखबार निकाला । भारतीयों की ज्वलंत समस्याओं को उठाया। पूरी दुनिया में रंगभेद के विरुद्ध वातावरण बनाने में जुटे रहे। गांधी भारत आए। भारत में अंग्रेजी सत्ता की गुलामी के विरुद्ध बिगुल फूंका । लाखों नौजवान उनके साथ खड़े हो गए । लड़ाई बढ़ गई। फिर आंदोलन का दौर चला।

गांधी के आह्वान पर जिस तरह भारतीय नौजवान छात्र जुटे ऐसा विश्व इतिहास में परतंत्र भारत में पहली बार था। गांधी बैरिस्टर से महात्मा होने की यात्रा पर चल पड़े । नमक आंदोलन, असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन, दांडी मार्च, जैसे बड़े आन्दोलन खड़े कर दिखाये। इस सब के पीछे युवा शक्ति थी। वह युवा शक्ति अपने राष्ट्र के लिए जागृत हो चुकी थी। आज कोई कुछ भी कहे मगर बैरिस्टर से गांधी महात्मा की यात्रा युवाओं के कारण अद्भुत अकल्पनीय बनी। वह युवाओं के साथ दुनिया के प्रेरणास्रोत रहेंगे। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने पहले भारत में पढ़ाई की । विदेश से पढ़ाई पूरी कर लौटे तो उन्हें भारतीय समाज में ऊंच-नीच की सड़ी-गली व्यवस्था ने झकझोर दिया। वह बचपन में अपने गांव से लेकर पूरे भारत में जातियों से बंटे समाज को निहार रहे थे । वह इस व्यवस्था से जूझ गए। लोगों से कहा कि शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो यह मंत्र किसी समाज के लिए शुभदायक ही है ।

डॉ. आंबेडकर के विचार प्रतिपल छात्रों युवाओं को प्रभावित करने वाले हैं। स्वतंत्रता के बाद संविधान सभा का गठन हुआ। संविधान सभा की मसौदा समिति के अध्यक्ष बने।

स्वामी विवेकानंद भी युवा थे । नरेंद्र से स्वामी विवेकानंद की यात्रा रामकृष्ण परमहंस के मिलन से आरंभ हुई। वह भारत की संस्कृति को विश्व में स्थापित करने का स्वप्न लेकर अमेरिका गए। साथ ही अनेक देशों की यात्राएं इसी उद्देश्य से कीं। वहां अपनी भारत की वैदिक सांस्कृतिक अनुभूति को पूरे विश्व के सामने रखा। अरविन्द घोष भी युवा थे। उन्होंने भी भारतीय स्वाधीनता, योग और संस्कृति के लिए विलक्षण काम किया। सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल, खुदीराम बोस, गणेश शंकर विद्यार्थी, राजगुरु, युवा ही थे । स्वतंत्रता के लिए इन्हीं सबसे प्रेरित ज्वलंत युवाओं ने अपने देश के लिए बलिदान किया। भारत के हजारों युवा विदेश यात्राओं में रहते हैं मगर वह नौकरी के लिए ही विदेश जाते हैं। कुछ युवा पर्यटन और मस्ती के लिए जाते हैं। भारतीय युवाओं का विदेश नौकरी करने जाने का कारण है राष्ट्र का कृषि प्रधान और संयुक्त परिवार वाला ढांचा का दरक जाना।

भारत में बाजारवाद युवाओं को यह समझाने में सफल रहा कि मकान, कार, आधुनिक सामग्री व्यक्ति को श्रेष्ठ और बड़ा बनाते हैं। कहीं तक बात ठीक भी है। दूसरी तरफ परंपराएं हैं। वह क्षीण हो रही हैं। वह अब बासी हो चुकी हैं। परंपराएं युवाओं को अब नहीं रोक पा रही हैं। पहले भी तर्क थे। एक पीढ़ी से दूसरी के बीच के समय अंतराल के । आधुनिकता के नाम पर सारे बंधन युवा तोड़ रहे हैं। आधुनिकता के सामने परंपराओं की दृष्टि चौंधिया गई हैं। संस्कृति और परम्परा दोनों अलग-अलग होते हैं। जीवन प्रतिमान बदल गए हैं। अब बाजार ही हमारी जीवन शैली का अधिकांश भाग तय करती है। युवा बाजार की चपेट में है। आज युवा क्या कर रहा है? राजनीतिक भागीदारी कितनी है? युवा प्रश्न नहीं उठा रहा ? जिन राष्ट्र-समाजों के युवा प्रश्नों से विरत हैं उनका नेतृत्व कैसा होगा? यह अपने आप में बड़ा सवाल है। भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए युवाओं को ही आगे आना होगा, तभी राष्ट्र और समाज का कल्याण होगा।

संपादकीय

संजय की रिहाई

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े.धनशोधन मामले में 'आप' नेता और राज्य सभा सांसद संजय सिंह की मंगलवार को जमानत हो गई। इससे पहले ईड़ी ने शीर्ष अदालत में कहा था कि संजय सिंह को जमानत दिए जाने पर उसे कोई आपत्ति नहीं है। आप सांसद छह महीने से इस मामले में आरोपी के रूप में जेल में बंद थे। उन्हें शीर्ष अदालत ने इस शर्त पर रिहा किया है कि भले ही उन्हें पूरे मुकदमे के दौरान जमानत पर बाहर रहने की अनुमति दी जा रही है, लेकिन जेल से बाहर रहते हुए वह इस मामले के संबंध में कोईबयान नहीं देंगे। अलबत्ता, अपनी राजनीतिक गतिविधियां जारी रख सकते हैं। शीर्ष अदालत ने उनकी रिहाई का आदेश पारित करते हुए यह भी स्पष्ट कर दिया कि उनकी जमानत को 'मिसाल' या नजीर के तौर पर नहीं लिया जाएगा। इसका आशय हुआ कि इस जमानत आदेश से अरविंद केजरीवाल समेत जेल में बंद पार्टी के अन्य नेताओं को ज्यादा राहत नहीं मिलने वाली। बहरहाल, संजय सिंह की रिहाई ह्यआप' के लिएइस रूप में राहतकारी अवश्य है कि पार्टी के बड़े.नेताओं की चुनाव के दौरान कमी काफी हद तक पूरी हो सकेगी। कहना न होगा कि संजय सिंह इस मामले में गिरफ्तार न किए गए होते और जेल न गए होते तो 'आप' यकीनन उत्तर प्रदेश में अपने उम्मीदवार उतारती। वह पार्टी में उत्तर प्रदेश के मामले देखते रहे हैं। यूपी में सत्तारूढ़ भाजपा के लिएस्थितियां कहीं ज्यादा विकट कर सकते थे। यह भी कहा जा रहा है कि ईड़ी ने उनकी जमानत का विरोधन करके उनकी बेल का रास्ता बनाया ताकि अरविंद केजरीवाल की जगह पर दावेदारी के नाम पर 'आप' में फूट पड़े.। इस बीच, 'आप' के अन्य नेताओं आतिशी, राज्य सभा सांसद राघव चड़ढा, सौरभ भारद्वाज और दुर्गेश पाठक की ईड़ी द्वारा गिरफ्तारी की आशंका भी जतलाई गई है। स्वयं आतिशी ने इस बाबत कहा है कि ईड़ी उन्हें गिरफ्तार कर सकती है। आप नेता जतलाते रहे हैं कि मोदी सरकार उनकी पार्टी में तोड़फोड़. मचाना चाहती है। पंजाब में 'ऑपरेशन लोटस' चलाने का आरोप पहले ही लगा चुकी है। अब आरोप लगा रही है कि भाजपा उनके नेताओं को तोड़.कर अपने साथ मिलाना चाहती है। हालांकि, ये आरोप राजनीतिक माइलेज लेने की कवायद प्रतीत हो रहे हैं।

तिलक राज शर्मा
संपादक

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया। संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं। भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंतःगतिविधियां सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

वाराणसी 2023 में वायु गुणवत्ता मानकों को पूरा करने वाला इकलौता शहर

एक उल्लेखनीय उपलब्धि में, भारत के अपेक्षाकृत अधिक प्रदूषित सिंधु-गंगा के मैदानी क्षेत्र में स्थित होने के बावजूद, मंदिरों की नगरी वाराणसी साल 2022-23 और 2023-24 दोनों के सर्दियों के महीनों के दौरान पीएम 2.5 स्तरों के लिए राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप रही। इस उपलब्धि के साथ वाराणसी प्रमुख भारतीय शहरों के बीच पर्यावरणीय प्रगति का एक चमकदार उदाहरण बनकर खड़ा हो गया है। यह महत्वपूर्ण मील का पत्थर वाराणसी को इस उपलब्धि को हासिल करने वाले सात प्रमुख भारतीय शहरों में से एकमात्र शहर के रूप में स्थापित करता है, जो वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए एक सराहनीय प्रतिबद्धता दर्शाता है।

दरअसल, साल 2022-23 और 2023-24 की सर्दियों के दौरान सात प्रमुख भारतीय शहरों में क्क2.5 के स्तरों की तुलना करने वाले एक हालिया अध्ययन ने इस आश्चर्यजनक सफलता की कहानी सामने रखी है। इस अध्ययन को किया है क्लाइमेट ट्रेंड्स नाम की संस्था ने। जहां दिल्ली और चंडीगढ़ जैसे अन्य महानगरों में प्रदूषण में वृद्धि देखी गई, वहीं वाराणसी एकमात्र ऐसा शहर बनकर उभरा जिसने दोनों सर्दियों में राष्ट्रीय क्क2.5 मानकों को पूरा किया।

यह खबर भारत की वायु प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में एक उम्मीद की किरण जगाती है, जो सर्दियों के महीनों में तापमान में उलटफेर, स्थिर हवा और ताप स्रोतों से निकलने वाले उत्सर्जन में वृद्धि जैसे कारकों के कारण काफी खराब हो जाती है।

वाराणसी का अनछुआ रहस्य

वाराणसी में सुधार के पीछे के सटीक कारण अभी भी अस्पष्ट हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि उन विशिष्ट उत्सर्जन स्रोतों की पहचान करने के लिए गहन विश्लेषण की आवश्यकता है जिन पर अंकुश लगाया गया है। दिल्ली विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ अतेंद्रपाल सिंह भविष्य की योजना के लिए स्रोत निर्धारण अध्ययनों के महत्व पर जोर देते हैं। वे बताते हैं, ÷वर्तमान अध्ययन वर्तमान स्थिति का वर्णन करता है और आधारभूत डेटा प्रदान करता है। हालांकि, प्रभावी प्रदूषण शमन रणनीतियों की योजना बनाने के लिए, क्क2.5 स्रोतों को समझना महत्वपूर्ण है।÷

वाराणसी से सीख

वाराणसी की सफलता इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि यह गंगा के मैदानी इलाकों (ढ्तक्क) क्षेत्र में स्थित है, जो अपनी गंभीर वायु गुणवत्ता के मुद्दों के लिए कुख्यात है। शहर के दृष्टिकोण का अध्ययन और उसे दोहराना ढ्तक्क के भीतर और बाहर प्रदूषण से जूझ रहे अन्य शहरों के लिए एक गेम-चेंजर हो सकता है।

राष्ट्रीय रुझान और आगे की जांच की ज़रूरत

जबकि वाराणसी एक उज्ज्वल स्थान के रूप में चमकता है, अध्ययन दिल्ली में एक चिंताजनक प्रवृत्ति को भी उजागर करता है। प्रदूषण नियंत्रण पर ध्यान देने के बावजूद, राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते, दिल्ली में सर्दियों में क्क2.5 का स्तर वास्तव में पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ गया है। इससे मौजूदा नीतियों का मूल्यांकन करने और संभावित रूप से कड़े नियमों को लागू करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है।

अध्ययन सर्दियों के प्रदूषण विरोधाभास पर भी प्रकाश डालता है। दिल्ली और चंडीगढ़ जैसे शहरों में अक्टूबर-दिसंबर में जनवरी और फरवरी की तुलना में कम तापमान के बावजूद प्रदूषण का स्तर अधिक पाया गया। यह हवा के पैटर्न और बाद के सर्दियों के महीनों में कम कृषि जलाने की प्रथा जैसे कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। मौसम विज्ञान और जलवायु परिवर्तन पर आगे के अध्ययन इस घटना का गहराई से अध्ययन कर सकते हैं।

बात आगे की

वाराणसी की उपलब्धि दर्शाती है कि इरादे मजबूत हों तो वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की जा सकती है। वाराणसी की सफलता के लिए किए गए विशिष्ट उपायों का पता लगाकर और ज्ञान साझा करने पर सहयोग करके, अन्य भारतीय शहर अपनी वायु प्रदूषण चुनौतियों से निपटने के लिए लक्षित रणनीतियां विकास कर सकते हैं। वाराणसी के अनुभव के साथ संयुक्त रूप से आगे का शोध, पूरे भारत में स्वच्छ हवा का मार्ग प्रशस्त कर सकता है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करेगा और लाखों लोगों के जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार करेगा।

(लेखक अलाईव न्यूज के मुख्य संपादक हैं।)

क्रिकेटः पर्यावरण और पहचान के लिए संघर्ष

संदीप भूषण

खेल में 'स्लेजिंग' का स्वरूप तो बदला ही है, अब इसको लेकर नई समझ भी बनी है। आज इसे खिलाड़ियों के भीतर लड़ने और जीतने के जज्बे को चरम तक पहुंचाने का टूल भी माना जाता है। वैसे स्लेजिंग जब हूटिंग में बदल जाए तो खिलाड़ी और खेल, दोनों को नुकसान पहुंचाती है। जेंटलमैन'स गेम कहे जाने वाले क्रिकेट के सबसे बड़े महोत्सवों में से एक इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सत्र में कुछ ऐसा ही देखने मिल रहा है। दर्शक मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या को लगातार निशाना बना रहे हैं। आईपीएल में मुंबई के शुरू आती तीनों मैचों में हार्दिक को प्रशंसकों के दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा है। हार्दिक के खिलाफ प्रसंशकों की नाराजगी के पीछे उनके प्रदर्शन से ज्यादा फैंस की मनमानी है।

दरअसल, इससे पहले हार्दिक पंड्या गुजरात टाइटंस की कमान संभाल रहे थे। उन्होंने फ्रेंचाइजी को एक ट्रॉफी भी दिलाई। पिछले वर्ष नीलामी के दौरान मुंबई इंडियंस ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया। इसके बाद अभूतपूर्व फैसला लेते हुए फ्रेंचाइजी ने रोहित शर्मा की जगह पंड्या को टीम की कमान सौंप दी। हिटमैन और मुंबई के प्रशंसकों के लिए यह फैसला पचा पाना मुश्किल हो रहा है। यही बड़ी वजह है कि पंड्या को लगातार दर्शकों की आलोचनाओं और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। प्रशंसकों का गुस्सा पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर क्रूर ट्रोलिंग और बाद में स्टेडियम में हूटिंग के रूप में प्रकट हो रहा है। सवाल मौजूं है कि किसी खिलाड़ी को उसके प्रदर्शन से अधिक टीम मैनेजमेंट के फैसलों के आधार पर आंका जाना कहां तक सही है? प्रशंसकों को भी समझना चाहिए कि उनके इस व्यवहार से उनकी पसंदीदा टीम को ही नुकसान होगा। खिलाड़ी पर अनावश्यक दबाव बढ़ेगा और वह मैच के दौरान गलत फैसले लेगा। उनकी हूटिंग से मैनेजमेंट का फैसला नहीं बदलने वाला। आईपीएल के इस सत्र में हमने साफ देखा है कि प्रशंसकों का व्यवहार पंड्या पर नकारात्मक असर डाल रहा है। नतीजतन, पहले तीनों मैच में मुंबई को हार का सामना करना पड़ा है। फ्रेंचाइजी के फैसले पर भी बात करें तो बदलाव लाजिमी है। हर खिलाड़ी का एक समय होता है। बेहतर टीम मैनेजमेंट की कोशिश होती है कि समय रहते टीम में लीडरशिप की नई खेप तैयार कर ले। ऐसा ही चेन्नई सुपरकिंग्स ने भी किया। टीम के सबसे चहेते महेंद्र सिंह धोनी के रहते उसने ऋतुराज गायकवाड़ को कमान सौंपी। धोनी और उनकी टीम ने सम्मान के साथ इस फैसले को लागू किया जिसका अनुकरण मुंबई इंडियंस के फैंस को भी करना चाहिए था।

पंड्या की काबिलियत किसी से छिपी नहीं है। टीम इंडिया के लिए खेलते हुए उन्होंने कई बड़े मैच जिताने में अहम भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में गुजरात टीम ने आईपीएल 2022 जीता और आईपीएल 2023 में उपविजेता रही। यह किसी भी खिलाड़ी को टीम का कप्तान बनाए जाने के लिए उचित योग्यता है। अलबत्ता, इस पूरे मामले को खेल और उसमें किए गए प्रदर्शन से अलग हटकर देखने की जरूरत है। बीते कुछ वर्षों में, खासकर सोशल मीडिया के प्रभावी होने के बाद से देखा गया है कि किसी भी टीम या खिलाड़ी के प्रशंसकों की भीड़ में बड़ी संख्या में अराजक तत्व भी होते हैं। इन्हें खेल और खिलाड़ी को सेलिब्रेट करने से ज्यादा उपद्रव करने में मजा आने लगा है। आलम यह है कि बीते कुछ सालों में क्रिकेट का भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर से लेकर विराट कोहली तक को प्रशंसकों की भीड़ के दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा है।

भारतीय क्रिकेट के मौजूदा संदर्भ में यह बात और गंभीर हो जाती है। प्रशंसकों का ऐसा क्रूर सुलूक पहले देखने को नहीं मिलता था। खासकर जब दोनों खिलाड़ी भारतीय टीम के हों और साथ खेलते हों। ऐसा तो अन्य किसी देश की टीम में शायद ही देखने को मिलता हो। खिलाड़ियों के प्रति नाराजगी जताना प्रशंसकों का हक है, लेकिन इस हद तक कतई स्वीकार्य नहीं हो सकता। कुछ लोग पूरी घटना को मुंबई इंडियंस की तरफ से ब्रांडिग और पीजिशनिंग का एक तरीका बता रहे हैं। अगर ऐसा भी है तो भी गलत है। पूरे मामले में क्रिकेट का नुकसान हो रहा है। भद्रजनों के खेल के तौर पर मशहूर क्रिकेट में किसी भी मकसद से इस तरीके का काम खेल को चोट ही पहुंचाएगा।

यह सच है कि खेल के बड़ा होने में उसके प्रशंसकों का बड़ा योगदान होता है। दर्शकों-प्रशंसकों को अलगा कर खेल के जीवंत स्वरूप की हम कल्पना नहीं कर सकते। फिर आईपीएल तो खासकर लोगों की खुशी और मनोरंजन को लेकर डिजाइन किया गया है। बात खिलाड़ियों की करें तो रोमांच और प्रतिक्रिया के अतिरेक वाले मौके पर उन्हें भी अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए। वैसे समय आ गया है जब जान-बूझकर खिलाड़ियों को परेशान करने पर प्रशंसकों के खिलाफ कार्रवाई के बारे में गंभीरता से सोचा जाए। अन्यथा उग्र प्रशंसकों की भीड़ हूटिंग से आगे भी बढ़ सकती है। और यह बहुत बुरा होगा।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

हरियाणा सरकार में मंत्री व हिसार लोकसभा प्रत्याशी के विवादित बयान पर भड़के नीरज शर्मा

Faridabad/Alive News

हरियाणा सरकार में मंत्री व हिसार लोकसभा प्रत्याशी द्वारा दिया गए ब्यान पर विधायक नीरज शर्मा का कहना था कि बहुत दुख होता है कि जब इस भष्ट भाजपा सरकार के नेता जातियों का वर्गीकरण करने एंव सभी जातियों को अपमानित करने का काम करते है जोकि इनके अंदर भरे जहर को दर्शाता है।

विधायक नीरज शर्मा का कहना था कि इस भाजपा सरकार ने हमेशा से ब्राह्मण समाज का अपमान करने का काम किया है। चाहे फरशे से गला काटने की बात हो, हिसार में सुभाष शर्मा का मामला हो, चाहे युवराज शर्मा का मामला हो, हमारी ढोली की जमीन का मामला हो, चाहे विधानसभा में नमूना कहने का मामला हो, इस भष्ट भाजपा सरकार ने हमेशा से ब्राह्मण समाज का अपमान करने का काम किया है।

विधायक नीरज शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण समाज ने हमेशा समाज में भाईचारे का संदेश दिया है। टीम पंडित जी,काग्रेंस पार्टी इस बयान की पुरजोर निंदा करती है। उन्होंने कहा कि इस ब्यान पर हिसार लोकसभा प्रत्याशी के साथ पूरी भाजपा पार्टी को समाज से मांफी मांगनी चाहिए।

वोटर आईडी कार्ड ही नहीं इन दस्तावेजों से भी किया जा सकता है मतदान

Faridabad/Alive News

लोकतंत्र के पर्व में जिला फरीदाबाद में हर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर मजबूत लोकतंत्र प्रणाली का भागीदार बने। इसके लिए जिला के प्रत्येक मतदाता यह सुनिश्चित कर लें कि उनका नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज हो। जिस मतदाता का नाम मतदाता सूची में है, केवल वही मतदाता भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार अपने मताधिकार का प्रयोग चुनाव प्रक्रिया में कर सकता है। यदि किसी मतदाता का नाम मतदाता सूची में है, लेकिन उसके पास मतदाता पहचान पत्र (एपिक) नहीं है, तो वह भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार 11 वैकल्पिक पहचान पत्र दिखाकर अपना वोट डाल सकता है।

उन्होंने बताया कि हरियाणा के मतदाता सीईओ हरियाणा की वेबसाइट ceoharyana.gov.in/ पर अपने वोट की जानकारी त्वरित गति व आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। इसकी सहायता से वोटर अपना

एपिक नंबर डाल कर बड़ी आसानी से अपना वोट चैक कर सकते हैं। यदि कोई अपना एपिक नंबर भूल गया है तो भी वह अपना नाम व पिता-पति आदि का नाम भरकर अपना वोट चैक कर सकता है।

वोटर हैल्प डेस्क किया गया है स्थापित

जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि वोटर हेल्पलाइन नंबर-1950 पर कॉल करके भी अपनी वोट चैक कर सकते हैं। जिला फरीदाबाद में जिला निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के प्रथम तल पर कमरा नंबर 112 में वोटर हैल्प डेस्क स्थापित किया गया है। जहां वोटर हेल्पलाइन नंबर-1950 पर कॉल पर मतदाता चुनाव के लिए मतदान सम्बधित जानकारी दी जा रही है।

मतदान की गोपनीयता जरूरी

प्रत्येक मतदाता को मतदान केंद्र में अपने मत की गोपनीयता बनाए रखना अनिवार्य है। यह मतदाता की नैतिक जिम्मेवारी भी है। यदि मतदाता के पास पुराना एपिक कार्ड है तो भी वह वोट डाल सकता है, बशर्ते कि उसका नाम उस क्षेत्र की मतदाता सूची में होना चाहिए। यदि किसी मतदाता का नाम मतदाता सूची में नहीं है तो वह वोट डालने के लिए मतदान केंद्र पर अपना आधार कार्ड या वोटर कार्ड या अन्य कोई पहचान पत्र दिखाता है तो उसे वोट डालने नहीं दिया जाएगा। कोई भी मतदाता केवल तभी वोट डाल सकता है जब उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज हो।

यह दस्तावेज दिखा कर कर सकते हैं मतदाता

जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने आगे बताया कि एपिक के अलावा मतदाता भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार 11 वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों का उपयोग करके भी वोट डाल सकते हैं। इन दस्तावेजों में पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, केंद्रीय, राज्य सरकार, सार्वजनिक उपक्रमों या सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक या डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, पैन कार्ड, श्रम मंत्रालय द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, सांसदों, विधायकों/एमएलसी को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र और आधार कार्ड शामिल हैं।

सड़को पर उड़ रही धूल ने एक बार फिर बढ़ाया प्रदूषण, एक्यूआई 222 दर्ज

Faridabad/Alive News

बढ़ते प्रदूषण के कारण शहर वाषियों को राहत नही मिल पा रही है । देखा जाए तो तेज हवा से सड़कों पर उड़ रही धूल ने प्रदूषण स्तर में एक बार फिर बढ़ोतरी हुई है। वायु गुणवत्ता सूचकांक खराब श्रेणी में पहुंच गया। इससे लोगों को आंखों में जलन और अस्थमा रोगियों को सांस लेने में दिक्कत हुई। शहर में पिछले दो दिनों में मौसम में बदलाव जारी है। दिन में तेज धूप निकलने के बाद कभी शाम को ओलो के साथ बारिश हो जाती है तो कभी दिनभर धूल उड़ती है। शनिवार को सुबह तेज धूप के साथ लोगों की सुबह कर शुरुआत हुई। शाम को एक बार फिर मौसम ने करवट बदली। बादल छाने के साथ आंधी शुरू हो गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार शनिवार को फरीदाबाद में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 222 दर्ज किया गया। वहीं, बल्लभगढ़ में एक्यूआई 161 दर्ज किया गया। सामान्य से चार गुणा से भी अधिक खराब रहा। इससे सबसे अधिक दिक्कत बच्चे, गर्भवती, टीबी, कैंसर, दिल संबंधित बीमारियों से ग्रसित लोगों को परेशानी हुई। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो शनिवार को फरीदाबाद समेत आसपास के क्षेत्रों में दिनभर हवा की रफ्तार करीब 12 किलो मीटर प्रति घंटा रही। इससे वाहनों की रफ्तार से उड़ रही धूल से शुक्रवार की अपेक्षा प्रदूषण स्तर में इजाफा हुआ। शुक्रवार को शहर में मध्यम स्तर के साथ एक्यूआई 185 दर्ज किया गया था। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आगामी दिनों प्रदूषण स्तर में और इजाफा दर्ज किया जा सकता है।

नवदीप सेवा समिति ट्रस्ट द्वारा दिव्यांग बच्चों को वितरित की गई स्टेशनरी

Faridabad/Alive News

नवदीप सेवा समिति ट्रस्ट द्वारा दिव्यांग बच्चों को स्टेशनरी, खाद्य सामग्री व आर्थिक सहायता वितरित की गई। यह स्टेशनरी व खाद्य सामग्री संजय कालोनी स्थित चेतना वेलफेयर सोसायटी में पढ़ रहे दिव्यांग बच्चों को भेंट की गई।इस अवसर पर मुख्य रूप से युवा भाजपा नेता ज्ञानेन्द्र भारद्वाज, नवदीप सेवा समिति ट्रस्ट के अध्यक्ष यशपाल शर्मा, आल इंडिया टैक्स लायर्स एसोसिएशन के स्टेट महासचिव संदीप सेठी एडवोकेट, दीपक गेरा एडवोकेट, प्रशांत मेहता(चीनू), चेतना वेलफेयर सोसायटी के प्रोजेक्ट मैनेजर कैलाश पंत शर्मा, विष्णु शर्मा, विशेष अध्यापिका चित्रलेखा, लता, मनीष मिश्रा, मिथलेश, अजय वर्मा मौजूद रहे।

इस अवसर पर उपस्थित बच्चों को सम्बोधित करते हुए युवा भाजपा नेता ज्ञानेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि सभी संस्थाओं को दिव्यांग बच्चों की मदद के लिए आगे आना चाहिए ताकि उनको सभी सुविधाओं मिल सकें।नवदीप सेवा समिति ट्रस्ट के अध्यक्ष यशपाल शर्मा ने कहा कि उनकी संस्था का प्रयास है कि स्पेशल बच्चों की सहायतार्थ वह हर तीन माह में कोई न कोई जनहित कार्य करे ताकि स्पेशल बच्चे किसी भी आवश्यक चीज से महरूम न रहे।इस मौके पर चेतना वेलफेयर के प्रोजेक्ट मैनेजर कैलाश पंत शर्मा ने बताया कि हमारी संस्था में 130 स्पेशल बच्चों को शिक्षा दी जा रही है। उनकी सभी प्रकार की जरूरत को दानदाताओं की मदद से पूरा किया जाता है।

सिद्धदाता आश्रम में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

Faridabad/Alive News

सूरजकुंड रोड स्थित सिद्धदाता आश्रम में एस्कॉर्ट फोर्टिस अस्पताल के सहयोग से विशाल निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन आश्रम के अधिष्ठाता जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज ने अस्पताल की टीम के साथ किया।

इसके साथ साथ हम अपने होने का भी अर्थ समझ पाएंगे। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति ही भगवान का नाम ले सकता है, सेवा कर सकता है और पुण्य कमा सकता है। एक बीमार व्यक्ति यह सब करने में समर्थ नहीं होता है। गुरुजी ने कहा कि एस्कॉर्ट फोर्टिस अस्पताल प्रबंधन के द्वारा आज आश्रम में चिकित्सा जांच शिविर लगाकर पुण्य अर्जन का काम किया गया है।

हम उनके कल्याण के लिए कामना करते हैं।आज के शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, जनरल फिजिशियन, नेत्र रोग विशेषज्ञ, ईएनटी विशेषज्ञ, हृदय आदि रोगों के विशेषज्ञों ने लोगों की निशुल्क जांच कर उपचार बताया। वहीं लोगों केबीपी, सुगर, बीएमडी की भी जांच की गई। शिविर का आदर्श वाक्य आप भी अपने स्वास्थ्य की जांच करवाएं और स्वस्थ जीवन पाएं रखा गया था। जिसका सैकड़ों लोगों ने पहुंचकर लाभ उठाया।

इस अवसर पर एस्कॉर्ट फोर्टिस अस्पताल के फैसिलिटी डायरेक्टर योगेन्द्र नाथ अवधिया, हैड सेल्स एंड मार्केटिंग ताबिश जमशेद, डायरेक्टर विभागाध्यक्ष लेप्रोस्कॉपिक एवं बेरियाटिक सर्जरी डॉ बीडी पाठक,

डायरेक्टर विभागाध्यक्ष इंटरनल मेडिसिन डॉ राजेश कुमार बुद्धिराजा, डायरेक्टर विभागाध्यक्ष गायनेकॉलोजिस्ट डॉ नीति कौतिश, कॉर्डियोलॉजिस्ट डॉ अमित मदान, जनरल फिजिशियन डॉ प्रवीण, ऑर्थोपैडिक डॉ एहमद, ईएनटी डॉ दृष्टि नागपाल, ऑप्टोमैट्रिस्ट दिव्या, अंकुर खाटियान, रंजीत प्रधान, आलोक कुमार आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

मानव सुपर -21 के नये बैच की कोचिंग शुरू

Faridabad/Alive News

शनिवार को मानव सुपर 21 नीट व आईआईटी कोचिंग के नए बैच की कोचिंग मानव भवन सेक्टर 10 में शुरु हुई। मानव सेवा समिति द्वारा संचालित इस कोचिंग सेंटर के विद्यार्थियों को प्रमुख शिक्षाविद व डिवाइन स्कूल के डायरेक्टर एसएस गोसाई ने नीट व आईआईटी की चयन परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स प्रदान करते हुए उनका मार्गदर्शन किया।गोसाई ने चैरिटी के रूप में जरूरतमंद परिवारों के मेधावी छात्रों की कोचिंग कराने के लिए मानव सेवा समिति की सराहना की।

समिति के अध्यक्ष कैलाश शर्मा व मिशन संयोजक सुभाष शर्मा ने कहा है कि अभी 11वीं के नॉन मेडिकल, मेडिकल के छात्रों की कोचिंग शुरु की गई है। 12वीं के नॉन मेडिकल, मेडिकल के छात्रों का चयन करने के लिए चयन परीक्षा रविवार 31 मार्च को दोपहर 2बजे मानव भवन पर आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर मिशन के संरक्षक रोशन लाल बोरड, अरुण आहूजा, शिक्षाविद एन के गर्ग, के एल दुआ ,राज राठी मौजूद रहे।

नवदीप सेवा समिति ट्रस्ट द्वारा दिव्यांग बच्चों को वितरित की गई स्टेशनरी

Faridabad/Alive News

नवदीप सेवा समिति ट्रस्ट द्वारा दिव्यांग बच्चों को स्टेशनरी, खाद्य सामग्री व आर्थिक सहायता वितरित की गई। यह स्टेशनरी व खाद्य सामग्री संजय कालोनी स्थित चेतना वेलफेयर सोसायटी में पढ़ रहे दिव्यांग बच्चों को भेंट की गई।इस अवसर पर मुख्य रूप से युवा भाजपा नेता ज्ञानेन्द्र भारद्वाज, नवदीप सेवा समिति ट्रस्ट के अध्यक्ष यशपाल शर्मा, आल इंडिया टैक्स लायर्स एसोसिएशन के स्टेट महासचिव संदीप सेठी एडवोकेट, दीपक गेरा एडवोकेट, प्रशांत मेहता(चीनू), चेतना वेलफेयर सोसायटी के प्रोजेक्ट मैनेजर कैलाश पंत शर्मा, विष्णु शर्मा, विशेष अध्यापिका चित्रलेखा, लता, मनीष मिश्रा, मिथलेश, अजय वर्मा मौजूद रहे। इस अवसर पर उपस्थित बच्चों को सम्बोधित करते हुए युवा भाजपा नेता ज्ञानेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि सभी संस्थाओं को दिव्यांग बच्चों की मदद के लिए आगे आना चाहिए ताकि उनको सभी सुविधाओं मिल सकें।नवदीप सेवा समिति ट्रस्ट के अध्यक्ष यशपाल शर्मा ने कहा कि उनकी संस्था का प्रयास है कि स्पेशल बच्चों की सहायतार्थ वह हर तीन माह में कोई न कोई जनहित कार्य करे ताकि स्पेशल बच्चे किसी भी आवश्यक चीज से महरूम न रहे।इस मौके पर चेतना वेलफेयर के प्रोजेक्ट मैनेजर कैलाश पंत शर्मा ने बताया कि हमारी संस्था में 130 स्पेशल बच्चों को शिक्षा दी जा रही है। उनकी सभी प्रकार की जरूरत को दानदाताओं की मदद से पूरा किया जाता है।

नए शिक्षण सत्र पर एल्पिस कान्वेंट स्कूल में भजन कीर्तन और भंडारे का आयोजन

Faridabad/Alive News

सोहना रोड जीवन नगर पार्ट-2 स्थित एल्पिस कान्वेंट स्कूल में नए शिक्षण सत्र की शुरुआत गुरु श्री लाल जी महाराज के भजन कीर्तन और भंडारे के साथ हुई। स्कूल के स्टाफ, अभिभावक और विद्यार्थियों ने भजन-संकीर्तन का लाभ लिया और उसके पश्चात भण्डारे का प्रसाद लिया। भजन में माता श्रीकृष्ण देवी की पुण्य तिथि पर विधिवत पूजा अर्चना की गई और दोपहर 12 बजे से भंडारे का शुभारंभ किया। श्रद्धालुओं द्वारा प्रस्तुत किए गए भजन व कीर्तन से विद्यालय का वातावरण भक्तिमय हो गया था। भजन-संकीर्तन में श्रद्धालुओं के साथ साथ स्कूल स्टाफ, विद्यार्थी और अभिभावकों ने भी लाभ लिया। स्कूल के प्रिंसिपल राजेश मदान ने बताया कि स्कूल में हर साल एक अप्रैल से शुरु होने वाले नए शिक्षण सत्र के लिए कीर्तन व भण्डारे का आयोजन किया जा आ रहा है ताकि बच्चे एक नई उर्जा के साथ शुरु होने वाले नए सत्र की शुरुआत कर सकें।

छापेमारी में बरामद की गई एनसीईआरटी की नकली किताबें

Faridabad/Alive News

सेक्टर- 9, फरीदाबाद स्थित शिक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने आज मल्होत्रा बुक डिपो में छापेमारी की कार्रवाई करते हुए एनसीईआरटी की नकली किताबें बरामद की हैं, जिसे शिक्षा विभाग की सौप दी गई हैं, आगे की कार्रवाई एनसीईआरटी की दिल्ली की टीम करेगीं, टीम ने जो भी किताबें बरामद की हैं, उन सभी किताबों पर एनसीईआरटी का लोगो नहीं पाया गया हैं।

डीएसपी राजेश चेची ने आज जानकारी देते हुए कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 1 अप्रैल से नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने जा रहा है। प्राय इन दिनों में नकली पुस्तकें बिकने अथवा विद्यालयों द्वारा अभिभावकों को किसी एक दुकान से पुस्तकें खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है। इसी संदर्भ में आज एक गुप्त सूचना मिली कि मल्होत्रा बुक डिपो सेक्टर-9, फरीदाबाद द्वारा एनसीईआरटी की नकली किताबो को अधिक दामों पर बेच रहा है।

यदि सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को साथ लेकर छापेमारी करने पर सच्चाई सामने आ सकती है। उनका कहना हैं कि उपरोक्त सूचना के आधार पर उप निरीक्षक राजेंद्र कुमार द्वारा सर्वप्रथम एनसीईआरटी विभाग मुख्यालय, दिल्ली संपर्क

किया गया। सार्वजनिक अवकाश होने के कारण एनसीईआरटी के अधिकारियों से सम्पर्क नही हो सका।

चूंकि नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो चुका है और छात्रों को नई किताबों की आवश्यकता है, इसलिए सभी छात्र जल्द से जल्द किताबे खरीद रहे है। यदि 1-2 दिन में चेक नहीं किया गया तो सभी किताबें बिक जाएगी। इसलिए ज़िला फरीदाबाद के शिक्षा अधिकारियों से सम्पर्क किया गया। जिला शिक्षा विभाग द्वारा हालातों को मध्यनजर रखते हुए महेंद्र सिंह खण्ड शिक्षा अधिकारी, बल्लबगढ़ को नियुक्त किया गया। महेंद्र सिंह खण्ड शिक्षा अधिकारी बल्लबगढ़ द्वारा साथी कर्मचारी के साथ मल्होत्रा बुक सेंटर का निरीक्षण किया गया।

उनका कहना हैं कि शिक्षा विभाग के निरीक्षण पर मल्होत्रा बुक सेंटर पर कक्षा 9 की Geography विषय की 7, Science विषय की 8 व Political Science की 9 किताबो पर NCERT का logo व Water Mark नजर नही आए । चूंकि इस बारे NCERT के अधिकारी ही कार्रवाई कर सकते है इसलिए इन किताबो को शिक्षा विभाग द्वारा अपने कब्जे में लिया गया है ताकि आगामी कार्य दिवस को NCERT के अधिकारियों से पड़ताल कराई जा सके। एनसीईआरटी के अधिकारियों से पड़ताल कराए जाने उपरांत जल्द आगामी कार्रवाई की जाएगी।

प्रिंस स्कूल में धूमधाम से मनाई गई 25वीं वर्षगांठ, 400 विद्यार्थियों ने दी प्रस्तुति

Faridabad/Alive News

मंगलवार को नंगला रोड स्थित प्रिंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल की पच्चीसी वर्षगांठ मनाई गई। इस अवसर पर स्कूल के अलग अलग कक्षाओं के लगभग 400 विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि मुनेश शर्मा, स्कूल चेयरमैन राजकुमार भारद्वाज और प्रिंसिपल यज्ञबाला शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से की गई। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। स्कूल के अध्यापको द्वारा शानदार प्रस्तुति करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया। इसके अतिरिक्त स्कूल के चेयरमैन राजकुमार भारद्वाज ने सत्र 2023 -2024 के मैरिट प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। वहीं पढ़ाई के साथ-साथ खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों का भी मनोबल बढ़ाया गया। स्कूल के सिल्वर जुबली कार्यक्रम में अग्रवाल स्कूल की प्रिंसिपल सोना गुप्ता और नगर निगम के कार्यकारी अभियंता ओम दत्त और मंजू शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

सरकार बनने पर फरीदाबाद को बनाएंगे स्पोर्टस सिटी: विजय प्रताप

Faridabad/Alive News

हरियाणा में सरकार बदली तो फरीदाबाद को स्पोर्टस सिटी बनाने का काम करेंगे। कांग्रेस नेता विजय प्रताप सिंह सोमवार को मेवला महाराजपुर में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर रहे थे। इस अवसर पर उनके साथ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य उमेश शर्मा मौजूद रहे।

विजय प्रताप ने शानदार आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि मेवला महाराजपुर में पिछले 20 सालों से भी अधिक समय से कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन होता आ रहा है। हर वर्ष देश-विदेश की टीमें यहां आती रही हैं और उसी परंपरा को कायम रखते हुए युवा साथियों ने इस बार भी कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया है। विजय प्रताप ने कहा कि एक समय था जब पूरे शिखर पर एनसीआर में

हमारे क्षेत्र का नाम था, मुझे उम्मीद है युवा साथी धीरे- धीरे उसे वापिस लाने का काम करेंगे।

उस ऊंचाई तक जाने में जो भी सहयोग होगा, मैं हमेशा तैयार रहूंगा। उन्होंने युवा साथियों की हौसलाफजाई करते हुए कहा कि इस तरह का आयोजन करते हैं, तो बड़ी खुशी होती है। पहले मां-बाप बच्चों को डॉक्टर, इंजीनियर एवं सर्विस में डालना चाहते थे, लेकिन पिछले 10-15 वर्षों में परिवर्तन आया और आज लोग अपने बच्चे को खेलों में आगे लाना चाहते हैं। समाज भी बच्चों को सहयोग करता है, मां-बाप भी बच्चों को सहयोग करते हैं।

उन्होंने कहा कि फरीदाबाद बहुत बड़ा शहर बन गया है और आबादी के अनुपात में खेल मैदान एवं सुविधाएं बढ़ाने चाहिए। हरियाणा में सरकार बनने पर फरीदाबाद को ग्राउंड ही नहीं, अपितु नई स्पोर्टस सिटी देने का काम करेंगे। खिलाड़ियो का हौसला बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि 'गिरते है सह सवार ही मैदान ए जंग में, वो क्या खाक गिरेंगे जो चलते हैं घुटनों के बल'। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों से खेलों में खेल भावना का होना सबसे जरूरी बताया।

जीवा स्कूल में अध्यापक शिक्षक भागीदारी कार्यक्रम मंथन का आयोजन

Faridabad/Alive News

सैक्टर-21बी स्थित जीवा स्कूल में अभिभावक शिक्षक भागीदारी कार्यक्रम मंथन का आयोजन किया गया।जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों के उज्ज्वल और सफल भविष्य के लिए अध्यापकों और अभिभावकों की भागीदारी को सुनिश्चित करना है। बच्चों की सफलता के लिए आवश्यक है कि उनको बचपन से ही शिक्षा के साथ-साथ सिद्धांतों और मूल्यों से भीअवगत किया जाए। बच्चों की दक्षता और निपुणता को पहचाना जाए।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहानए एकेडमिक एंड एक्सिलेंस हेड मुक्ता सचदेवए जीवा आयुर्वेद के निदेशक डॉ प्रताप चौहानए प्रधानाचार्या मीनाक्षी चटर्जीए श्हेड ऑफ स्पेशल प्रोग्राम एंड ट्रेनिंग जयवीर सिंह उपस्थित रहे।कार्यक्रम में जीवा संस्थान की युवा डायरेक्टरस मीनाक्षी सिंह और नीरजा चौहान भी उपस्थित रही। इस अवसर पर बच्चों ने भी अपने-अपने तरीकों से कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चों ने गणेश वंदना करएक लघु नाटिका के माध्यम सेदिनचर्या के महत्त्व को समझायाए नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समाज को जागरूक करने का प्रयास किया। बच्चों ने मनमोहक भजन प्रस्तुत कियाए एवं ऑर्केस्ट्रा ग्रुप के बच्चों ने वाद्ययंत्रों के माध्यम से आकर्षक धुन प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम में छात्रों ने ए.टी.एल. प्रोजेक्ट के माध्यम से अपनी बुद्धि एवं कौशल का परिचय देते हुए स्वनिर्मित रोबोटिक्स प्रोग्राम का प्रदर्शन दिया।

श्हेड ऑफ स्पेशल प्रोग्राम एंड ट्रेनिंग जयवीर सिंह ने उपस्थित सभी अभिभावकों के साथ विद्यालय के सिद्धांतों के विषय मे चर्चा कीए उन्होंने कहा कि जीवा पब्लिक स्कूल में सिद्धांतए शिक्षा एवं दक्षता पर कार्य किया जाता है। उन्होंने अभिभावकों को बताया कि बच्चों के सर्वांगीण

विकास के लिए विद्यालय के साथ.साथ अभिभावकों की बराबर साझेदारी होनी चाहिए। उन्होंने विद्यालय के सकारात्मक सोच और विकासशील प्रवृति के विषय में जानकारी दी और उन्होंने बताया कि विद्यालय में आधुनिक शिक्षा एवं नैतिक मूल्यों का अद्भुत संगम है। उन्होंने पोजिटिव पैरेन्टिंग के सकारात्मक प्रभाव के विषय में भीबताया।

Blue Bird School celebrate 43rd Foundation Day

Faridabad/Alive News

Blue Bird Public School, J-Block NIT-5 organized an auspicious Havan ceremony in the school premises on 6th April to celebrate the 43rd Foundation Day and the beginning of the new academic session to seek the grace and sacred blessings of the Almighty.

Founder and Chairman Suman Dutta and Ramesh Dutta respectively offered oblations in the havan kund while chanting the sacred mantra. Principal Nalini Mohan and Vice Principal Kimmi Dutta, staff and students graced the auspicious ceremony. Everyone prayed to God for the smooth functioning of the school in the new academic year.

FMSians started the new academic session with a havan ceremony

Faridabad/Alive News

FMSians started the new academic session with a sacred havan ceremony on April 4, 2024 to seek God's blessings and set new standards in education. Made this occasion memorable. A.K. Malik Managing Director, FMS Managing Committee, former Advisor to the President of Zambia and former Commissioner, Cabinet Secretariat, Government of India Distinguished Attendance. of India, RTN. H.S.Malik- Former Chairman, CWC, Govt. of Haryana, Raj Malik- Founder Principal of FMS, Chandni Singh- Member FMS Managing Committee, Academic Director Shashi Bala, and Director Principal Umang Malik.

The students of the pre-primary wing were welcomed by Winnie the Pooh and the clown juggler. Puppet show, selfie corner and juggler tricks were an added attraction for the students. A.K. In his address, Malik wished success and good wishes to the students and teachers to achieve their goals and touch the heights of glory. Chairman HS Malik infused a new energy among the students with his motivational quotes for the new session. He encouraged the students to invoke their inner strength and continue working hard as they move forward From one academic session to the next.

D.A.V. School-37 organized Hawan & Orientation Programme

Faridabad/Alive News

The Pre-Primary Segment of D.A.V. Public School, Sector-37 conducted an auspicious Yajna ceremony in the school Yagyashala on March 26, 2024 to mark the inauguration of the new academic session 2024-2025 and to seek the prime blessings of the Almighty. Principal Ms. Deepti Jagota and all the teachers of Pre-Primary segment and new parent fraternity marked their presence on this special day. 'Aahutis' were put in the Hawan Kund while chanting the sacred mantras. Principal Ms. Deepti Jagota gave her heartfelt wishes to the students and gave an insight into the principles and rituals of Arya Samaj which help us to connect extensively to life and lead us to the desired path of self fulfillment." Arya Samaj has been contributing a lot to education and by incorporating the Vedas in our life we can experience the eternal happiness, pleasure and respect. Prasad was also distributed at the end. An Orientation Programme was organized for the parents of students who will be joining in the new academic session 2024-2025 to give a platform to get acquainted with the school and its ethos.

Faridabad witnesses Unique Initiative: 8.5 lakh hands raised for voting resolution

Faridabad/Alive News

In the lead-up to the upcoming Lok Sabha elections on May 25, the city of Faridabad witnessed a remarkable initiative on Monday. District Election Officer Vikram Singh spearheaded an event aimed at ensuring 100 percent voter participation. A staggering 8.5 lakh individuals participated in this endeavour. At 11 am, people gathered in various establishments, including schools, colleges, industries, offices, Anganwadi centers, Panchayat ghars, and public spaces, to take a solemn pledge for maximum voter turnout. While adults aged 18 and above pledged to exercise their voting rights, school children reaffirmed their dedication to encouraging their families and communities to vote.

District Election Officer and Deputy Commissioner Vikram Singh said that the awareness campaign in the district saw significant participation from industrial workers and employees. He stated that on Monday, five lakh industrial workers gathered and pledged to vote on May 25. Subsequently, children from over three lakh government and private schools in the district joined the campaign, including those from more than one lakh government schools and one and a half lakh private schools.

62% polling in 2019 Lok Sabha Elections, 57% in Urban areas

Addressing the main program held at Sector-55 Government Model Sanskriti Senior Secondary School, District Election Officer Vikram Singh highlighted that in the previous Lok Sabha elections, only 62 percent people had cast their votes in the Faridabad parliamentary constituency, with urban areas recording a mere 57 percent turnout.

Children pledge to inspire family members to vote at polling stations

Vikram Singh highlighted the remarkable participation of children in the oath campaign, deeming it as the most special aspect of the initiative. He noted that in the district, there are 1.25 lakh children studying in government schools and 3.83 lakh children enrolled in private schools, with over 3 lakh children actively involved in the campaign. Singh described the program as being celebrated like a festival in schools, where children enthusiastically prepared paintings to encourage voting and proudly exhibited their artwork. All the children collectively pledged to ensure that they accompany their family members to the polling stations on Election Day.

Workers also reiterated their resolve to vote in the national interest

Industrial workers exhibited the highest participation in the pledge program for achieving 100 percent voting in the industrial hub of Faridabad. With a total of 9 lakh industrial workers in the district, a significant portion actively engaged in the campaign. Despite working in various shifts, 5 lakh workers joined the initiative. Each participant pledged to vote on May 25 for the betterment of the nation, demonstrating their commitment by standing up for voting at their respective workplaces.

Women from Self-Help Groups, Asha, and Anganwadi take pledge to vote

He also emphasized the active participation of women in taking the pledge to vote. Women were observed participating enthusiastically in large numbers across villages and cities. Notably, over 19000 women from self-help groups, along with more than 1200 Anganwadi and 1200 Asha workers, actively engaged in the campaign. Additionally, all officers of the district administration visited various locations to motivate individuals to pledge for 100 percent voting turnout.

All the officers arrived to get the resolution

All the officers also reached different places to motivate the people to pledge 100 per cent voting. District Election Officer and Deputy Commissioner Vikram Singh, and Additional Deputy Commissioner Anand Sharma administered the oath of voter awareness in Sector-55 School. Police Commissioner Rakesh Arya, Commissioner's Office, CEO Zilla Parishad Satbir Mann Tigaon, SDM Ballabgarh Trilok Chand, Government Senior Secondary School Ballabhgarh, Naib Tehsildar at Sushma Swaraj College Ballabhgarh, Tehsildar Bhumika Lamba at Aggarwal College, SDM Faridabad Government Primary School and Anganwadi Center Sihi, SDM Badkhal Amit Mann joined NIT five government schools.

DAV school 49 organised Dads' Cricket League

Faridabad/Alive News

DAV Public School, Sec 49 Faridabad organised Dads' Cricket League in the school ground on 6 April 2024 for the fathers of classes I-V students. Mothers and kids joined and cheered for their teams. Six teams were formed, namely, Cool Sooners, Dynamic Attackers, Swift Strikers, Rising Stars, Sky Warriors and Hit Squad. The audience seats were packed to capacity. The first match was held between Dynamic Attackers and Swift Strikers followed by a match between Rising Stars and Sky Warriors. Next, Swift Strikers and Cool Sooners competed with enthusiasm followed

by HIt Squad and Rising Stars.The scoreboard had everyone on the edge of their seats. The competition intensified in the final match between Swift Strikers and Rising Stars. Swift Strikers won the final of the league. The umpires – Sourav Kumar and Deepak, scorer – Vivek Kumar and referee – Gaurav Chitkara did their work flawlessly. The day culminated with the Prize Giving Ceremony. The Principal,. Rajan Gautam felicitated Swift Strikers with winning trophy and certificates. The first runner up team was also given certificates. The sportsmanship displayed by all the teams kept reminding everyone of the international cricket played globally. It was a thrilling event enjoyed by the parents and the staff alike.

DAV School NH-3 organised KINDERGARTEN ORIENTATION DAY

Faridabad/Alive News

Orientation is an opportunity for the parents and students to get acclimated to the culture of the school – its rules and expectations and get familiar with the faculty members. DAV NH-3, NIT organized "PARICHAY THE MEET" for the students of class NUR. to II in the school auditorium on 6th April 2024. It was a sincere effort made by the school to familiarize them as partners in progress with the curriculum, rules and regulations, scholastic and co-scholastic activities. The programme commenced with the ceremonial lamp lighting by the school Principal Jyoti Dahiya Mukta Puri (Supervisory head of Class Nur. and esteemed parents of the students. Welcoming the parents to the new academic session, Principal,Jyoti Dahiya

introduced the school team and spoke in detail about different ways of nurturing achild with love and care, to build a strong foundation for a glorious future. She laid emphasis on a strong connection with the school patrons. She even sought support and suggestions from the parents to provide best education and growth opportunities to the children of the school, and shared few tips on good parenting. Many fun filled activities were organized for the parents also to make them familia with each other and to promote parental involvement. The learning outcomes of these activities were discussed. Parents enjoyed it lot and appreciated it with positive approach towards the school.

J.C. Bose organised Radio workshop

Faridabad/Alive News

J.C. Bose University of Science & Technology, YMCA, conducted a Radio Production Techniques Workshop for its media students. The Radio Workshop was designed to provide participants with hands-on experience and insights into various aspects of radio broadcasting. The workshop was conducted under the supervision of Dr. Bharat Dhiman, Assistant Professor of the department, and the able guidance of Dr. Pawan Singh, Chairperson of the department.

The workshop was well-planned and organized by the senior members of the Radio team of the department. The workshop was conducted for newly selected radio team

members. More than 30 students participated with full of enthusiasm. The senior members delivered various practical sessions on topics like The Art of Voice Acting, Audio Editing, Graphic design, and Content Writing. Students were informed about the importance of pitch, modulation, and volume in audio recording. The speakers also discussed the importance of voice acting in the broadcasting industry. All sessions were full of practical exposure and interactive.

Students got extensive hands-on experience and got an insight into the internal workings of Radio Production. The sessions ended with a question-and-answer round where the speakers exuberantly answered all the queries. The chairperson said the aim of this workshop is to inspire and empower individuals with a passion for radio broadcasting.

DAV school NH-3 conducted Kindergarten Convocation Day

Faridabad/Alive News

DAV Public School, NH-3, NIT conducted Kindergarten Convocation Day on March 27, 2024 in the school campus. The smart and tiny tots dressed in graduation robes and caps marched in a row, along with their class teachers.The programme commenced with the ceremonial lamp lighting by the Respected Principal, Jyoti dahiya Lighting of lamp was followed by the welcome address by the Principal. She congratulated the little graduates and their parents on this momentous occasion and appreciated their involvement in their child's learning. She thanked the parents for rendering their precious time and blessing the students with their esteemed presence. Our tiny tots looked attractive in their graduation robes and caps. A plethora of mesmerising performances showcased by the students of grade LKG to 2 held the audience enthralled. Children performed dance on peppy numbers expressing their joy on result day . Students presented many cultural items, dance, music, drama, etc. All the spectators praised the event and encouraged the students with thunderous applause. The glimpses of their journey in kindergarten stole our hearts away. The parents expressed their gratitude and appreciation for the tremendous efforts made by school applauded the principal for the hard work put in with the students. It

DAV school-49 organised 'TALENT HUNT '

Faridabad/Alive News

The School organised a vibrant Talent Hunt event at different venues in Faridabad for the children of age group 3 to 10. The competition provided a platform for children to showcase their abilities in various fields.

From soulful singing performances to energetic dance presentations, beautiful drawings to heartfelt poem recitations, the talent hunt offered a glimpse into the well-rounded abilities of the participants. The students participated with immense enthusiasm and wholeheartedness, showcasing their talents with confidence.

Participation certificates and refreshments were provided to all the participants, acknowledging their efforts and encouraging their creative persuits. The event served as a valuable opportunity for the children of the area to express themselves creatively and build confidence. The Principal of the school, Shri Rajan Gautam expressed his delight at the overwhelming response and the exceptional talents showcased by the children.

The effort of the school in organising the show was much appreciated by the

audience. The parents extended their heartfelt gratitude to the Principal for his unwavering support and guidance in organising this event. The programme was a fantastic success, leaving everyone with smiles on their faces. It was a joyous event that celebrated the creativity and talent of the young participants.

Value Added Course on Waste Handling and Management begins at JC Bose University

Faridabad/Alive News

JC Bose University of Science and Technology in collaboration with Vasundhara Eco-Club, initiated a Value-Added Course titled "Waste Handling and Management: Strategies and Practices." The revolutionary 30-hours skill development program aims at addressing the pressing issue of waste management through education and practical training. The program will be attended by the students from interdisciplinary background including Engineering, Science and Management. The inaugural session witnessed the esteemed presence of Chief Guest of the program, Prof. Narsi Ram Bishnoi, Vice-Chancellor, Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar, Haryana. The session was presided over by Prof. Sushil Kumar Tomar, Vice-Chancellor of JC Bose University of Science and Technology YMCA Faridabad. University. In his address, Vice-Chancellor of J.C. Bose University, Prof. Sushil Kumar Tomar, emphasized the significance of the balance between economy and ecology. He underscored that the exponential increase in waste is a challenge in front of us

and the solution are to be found by academicians and researchers.

Chief Guest, Prof. Narsi Ram Bishnoi, shared the importance of 3Rs – Reduce, Reuse and Recycle. He showed the concern towards different types of waste produced and their harmful effects. He motivated and encouraged the students to think differently and find the solution to the problems of waste management. Earlier, the event commenced with traditional rituals, including Lamp Lighting and Saraswati Vandana, symbolizing enlightenment and knowledge. Dignitaries were honoured with plant saplings, emphasizing the importance of environmental conservation and sustainable practices. Dr. Renuka Gupta, Chairperson of Department of Environmental Sciences welcomed the Chief Guest and other dignitaries. She highlighted the importance and learning outcomes of the course and emphasized that huge piles of waste produced in metropolitan cities could be reprocessed and can be used as raw material for other purpose which can be a great contribution towards achieving Sustainable Development Goals. Alok Bhatnagar, Professor of Practice, Department of Electrical Engineering, gave the insight of this academic and practical program and informed that the new and innovative technology for waste handling and management would be discussed in next 15 days program.

CMT Department successfully launches Media Literacy Campaign

Faridabad/Alive News

J.C. Bose University has successfully organized the media literacy campaign today. Dr. Akhilesh Tripathi and Dr. Bharat Dhiman, Assistant Professor of the department, visited the Govt. College, Hodal and Saraswati Mahila Mahavidyalaya, Palwal. The visit was conducted under the guidance of Dr. Pawan Singh, Chairperson of the department. The purpose of the visit was to showcase the practical work done by the media students and the importance of the department's media and social work programmes.

The session started with a virtual tour of the department, during which students got an insight into the department's practical activities. The visit was very beneficial for the students. Students learned various vital aspects of media skills, career and opportunities. The learning session was followed by an interactive Questions & Answers round wherein the students got to speak their minds and share their queries. The visit was enriching and meaningful for the students, in which they learned about the importance of media courses. The chairperson appreciated the faculty member's efforts.

DAV School-49 celebrated graduation day for UKG students

Faridabad/Alive News

D.A.V. Public School, Sector-49 hosted a delightful Graduation Day Ceremony on March 22, 2024 for its UKG students, marking a significant milestone in their academic journey. The event commenced with the ceremonial lighting of the lamp, symbolizing enlightenment and wisdom. Pragya, a bright student from the LKG class, captivated the audience with her eloquent introduction, setting the stage for an enchanting programme ahead. The tiny tots from the nursery and LKG classes stole hearts with their mellifluous dance performances. The students from LKG class presented heartfelt poems conveying good wishes to their graduating peers, fostering a sense of companionship and appreciation among the young scholars. In a heartwarming display of gratitude and unity, the UKG students came together to sing a soulful graduation gratitude song, reflecting on the invaluable experiences and memories gained by them. The Principal, Mr Rajan Gautam emphasized the importance of holistic development among students. He highlighted the abundant talent within the students and underscored the school's commitment in nurturing and harnessing their potential to the fullest. The event concluded with the recital of Shanti Path followed by the National Anthem. The graduation day ceremony at DAV Public School, Sector-49 was not just a celebration of academic achievements but also a testament to the school's dedication in shaping well-rounded individuals equipped to excel in all spheres of life.

DAV School-37 praised students for their excellent performance

Faridabad/Alive News

Sector-37 DAV Public School, under the guidance of Principal Deepti Jagota, celebrated Appreciation Day on 23rd March for the students of classes Nursery to II for their excellent performance throughout the year. The program was presided over by chief guest Prateek Sodani. He also boosted the morale of the students.

The program started with the lighting of the lamp. The school principal expressed gratitude to the guests for attending the program by gifting them saplings. The Principal blessed the students and wished them a bright future. The guests appreciated the students by giving them certificates for their excellent performance in academic and co-scholastic fields. After this, the cultural performances started with an energetic band, after which the students of class Nursery and LKG presented a welcome dance. Students of Class I gave wonderful performances on various emotions through musical skits. Class II presented a patriotic dance.The program concluded with a Holi dance performance by UKG students followed by Shanti recitation.

मानव संस्कार स्कूल ने धूमधाम से मनाया वार्षिकोत्सव, कृष्णपाल गुर्जर रहे मुख्यातिथि

Faridabad/Alive News

धीरज नगर डी-ब्लॉक स्थित मानव संस्कार पब्लिक स्कूल में शनिवार को वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के फरीदाबाद से लोकसभा के प्रत्याशी एवं पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर पहुंचे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों का स्वागत स्कूल के चेयरमैन योगेश शर्मा, मैनेजर उषा शर्मा, डायरेक्टर मनीष शर्मा, एडमिनिस्ट्रेटर रमा कौल, प्रिंसिपल कामूदी भारद्वाज, एक्टिविटी इंचार्ज मनीष राज ने बुके भेंटकर किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने स्वागत गीत से अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा के भाई करमचंद शर्मा, एयर वाइस मार्शल एल. एन शर्मा, कैंसर स्पेशलिस्ट डॉ प्रवीन बसंल, भविष्य वक्ता आचार्य विष्णुकांत शास्त्री द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने गणेश वंदना की प्रस्तुति

दी। नर्सरी से लेकर नौवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने अपने अपने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर आए हुए अभिभावक और अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वार्षिकोत्सव में विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक राजेश नागर, रिटायर कैप्टन आई. डी शर्मा, पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर देवेंद्र चौधरी, पुलिस अधिकारी रामबीर सिंह, एडवोकेट रमेश शर्मा, डॉ मनमोहन दत्त, डॉ कुमार, ओ.पी कौशिक, सुरेश कौशिक, समाजसेवी रवि भड़ाना और गायत्री परिवार से जगन्नाथ झा और अर्चना वंदना पहुंचे। वार्षिकोत्सव के दौरान स्कूल के नन्हे मुन्ने बच्चों ने जहां अपनी प्रस्तुति से लोगों का मनमोह लिया। वहीं नौंवी कक्षा के विद्यार्थियों ने अपनी ओतप्रोत प्रस्तुति से दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों को भावुक कर दिया। इसके अलावा एलकेजी के विद्यार्थियों ने गीत ÷मैं निकला गड्डी लेके÷ और यूकेजी के विद्यार्थियों ने गीत ÷छोरा मैं हरियाणा का÷ पर नृत्य की प्रस्तुति दी। निवर्तमान केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने विद्यार्थियों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्कूल वह प्रोयोगशाला है जहां पर विद्यार्थी अच्छे इंसान के साथ साथ अच्छे नागरिक भी बनते हैं। उन्होंने कहा कि मानव संस्कार स्कूल परिवार बधाई का पात्र है जिन्होंने इस क्षेत्र के बच्चों को कम फीस में शिक्षित करने के लिए स्कूल खोला। उन्होंने कहा कि जब वह पार्षद थे उसी समय से मानव संस्कार स्कूल में अतिथि बनकर आ रहे हैं, यह उनका परिवार है। स्कूल की प्रधानाचार्य कामूदी भारद्वाज ने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि विद्यार्थी उत्कृष्टता की ओर बढ़ें। जीवन का कोई भी क्षेत्र हो, स्कूल बच्चों का सर्वांगीण विकास कर रहा हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल विद्यार्थियों को केवल शिक्षा ही नही दे रहा बल्कि उन्हें एक अच्छा और सर्वोत्तम इंसान भी बना रहा है। वार्षिकोत्सव के अंत में स्कूल के चेयरमैन योगेश शर्मा ने आए हुए सभी विद्यार्थी, अभिभावक और अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम को सुन्दर एवं सफल बनाने वाले प्रतिभागी विद्यार्थियों और स्कूल के अध्यापकों की सराहना की।

शरद फाउंडेशन संस्था ने की बोर्ड ऑफ़ ट्रस्टी की मीटिंग, इसके बाद रखा 'गुफ्तगू' कार्यक्रम

Faridabad/Alive News

सामाजिक संस्था शरद फाउंडेशन ने शनिवार को अपने सेक्टर-21 स्थित कार्यालय पर बोर्ड ऑफ़ ट्रस्टी की मीटिंग की और आगे चलाए जाने वाले कार्यक्रम की रुपरेखा तैयार की। संस्था के बोर्ड ऑफ़ ट्रस्टी की मीटिंग की अध्यक्षता संस्था के फाउंडर डॉ एस एन पांडे ने की। मीटिंग के दौरान कुछ आवश्यक प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए एवं संस्था की आगमी रणनीति पर भी विचार किया गया। बोर्ड ऑफ़ ट्रस्टी की मीटिंग में प्रमुख रूप से डॉ हेमलता शर्मा, आशा रॉय, डॉ हेमंत पांडे, ए के शर्मा, किरण त्यागी और दीपक शर्मा उपस्थित रहे। शरद फाउंडेशन द्वारा बच्चों के सम्पूर्ण विकास के लिए चलाए जा रहे ÷गुफ्तगू÷ कार्यक्रम को लेकर भी चर्चा हुई। इस कार्यक्रम के तहत संस्था में पढ़ रहे बच्चों का सफल व्यक्तियों से संवाद कराकर उनका बौधिक ज्ञान बढ़ाना है। जिस से बच्चें प्रेरित होकर अपने जीवन में सफल हो सके। बोर्ड ऑफ़ ट्रस्टी मीटिंग के बाद ÷गुफ्तगू÷ कार्यक्रम रखा गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में गायिका आशा रॉय ने शिरकत की। कार्यक्रम में डॉ हेमलता शर्मा ने मुख्य अतिथि आशा रॉय का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में बच्चों ने गायिका आशा रॉय के साथ गुफ्तगू के माध्यम से संवाद किया और उनके जीवन की सफलता के बारे में जाना। गायिका आशा रॉय ने बच्चों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब बखूबी दिए। इससे पूर्व में बच्चों ने सफल डॉ आशा गांधी के साथ गुफ्तगू की। कार्यक्रम के अंत में संस्थापक डॉ एस एन पांडे एवं डॉ हेमलता शर्मा ने कार्यक्रम में शामिल होने पर आशा राय का आभार व्यक्त किया। इस गुफ्तगू कार्यक्रम में संस्था के छात्र के अलावा संस्था वालंटियर एवं आमंत्रित सदस्य उपस्थित रहे।

श्रीराम और जीवा स्कूल के विद्यार्थियों ने मनाया शहीद दिवस

Faridabad/Alive News

श्रीराम मॉडल स्कूल और जीवा पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के संयुक्त तत्वाधान में शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान दिवस को शहीदी दिवस के रूप में विजय यात्रा निकालकर मनाया। यह यात्रा एनएच-3 डीएवी कॉलेज से शुरू होकर खान दौलतराम धर्मशाला पर पहुंची और यात्रा में शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की भूमिका में विद्यार्थियों और परमवीर चक्र विजेता योगेन्द्र सिंह यादव का फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया।

तत्त पश्चात खान दौलतराम धर्मशाला में शहीदी दिवस कार्यक्रम ÷विजयंता÷ का शुभारंभ मुख्य अतिथि परमवीर चक्र विजेता कैप्टन योगेन्द्र सिंह यादव, अमृता हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेटिव डायरेक्टर स्वामी निजामृतानंदा पूरी, मुख्य कवि दिनेश रघुवंशी और एम्बेसेडर ऑफ यूथ अमित चौधरी, जीवा स्कूल के चेयरमैन ऋषिपाल चौहान, श्रीराम स्कूल की चेयरपर्सन डॉ अमृता ज्योति, फिल्म प्रोडक्शन कम्पनी के डायरेक्टर जगदीप ग्रोवर, सीनियर

श्रीराम मॉडल हाई स्कूल के प्रिंसिपल विक्रम सिंह राठौर और एबीवीपी के विजय प्रताप ने दीप प्रज्वलित कर किया। शहीदी दिवस पर जीवा स्कूल के चेयरमैन ऋषिपाल चौहान, राजयोगिनी ब्रह्मा कुमारी (बीके) दीदी चक्रधारी, मुख्य कवि दिनेश रघुवंशी, कैप्टन योगेंद्र यादव, अमित चौधरी और श्रीराम स्कूल की चेयरपर्सन डॉ अमृता ज्योति ने शहीदों की शहादत पर विद्यार्थियों के सम्मुख अपने विचार रखे। कार्यक्रम में आए प्रसिद्ध कवि दिनेश रघुवंशी ने अपनी कविता से अध्यापको और बच्चों को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही कैप्टन योगेंद्र यादव ने शहीदों की शहादत के बारे में बताया। कार्यक्रम के अंत में आए हुए अतिथियों को पौधा व बूके भेटकर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर एबीपी के विजय प्रताप, राष्ट्रीय स्वंयसेवक गंगा शंकर और जगदीप ग्रोवर मौजूद रहे।

ओम योग संस्थान के वार्षिक समारोह में विजय प्रताप ने मुख्य अतिथि के रूप में की शिरकत

Faridabad/Alive News

शनिवार को पाली-सोहना रोड़ स्थित ओम योग संस्थान में आयोजित वार्षिक समारोह में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं बडख़ल विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी रहे विजय प्रताप सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। संस्था के फाउंडर अध्यक्ष योगीराज ओमप्रकाश महाराज ने मुख्य अतिथि का शॉल पहनाकर एवं बुके देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रेम सैनी, गुरूग्राम से खेल उपनिदेशक गिर्राज सिंह, पूर्व पुलिस उपायुक्त दिल्ली एल एन राव, नोएडा से चौधरी बलराज एवं ऑल इंडिया स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप गुप्ता ने भी शिरकत की। वार्षिक समारोह में ओम योग संस्थान में सुंदर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने अपनी सुंदर परफोरमेंस से आए हुए अतिथियों का मन मोह लिया। बच्चों ने सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम, देशभक्ति गीत एवं सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। विजय प्रताप ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों से प्रसन्न होकर जमकर तारीफ की और उनकी हौसलाफजाई की।उन्होंने कहा कि जैसे हमारे आश्रम के गुरूजी हैं ऐसी सादगी और सहनशीलता बहुत कम देखने को मिलती है। ऐसी ही शिक्षा, संस्कृति एवं विचार यहां पढने वाले बच्चों को प्रदान किए जाते हैं।

वार्षिक समारोह को लेकर बच्चों की विशेष तैयारियां होती है और उनकी महीनों की मेहनत के बाद वह अपनी परफोरमेंस करते हैं, जिसे वह जीवन भर याद रखेंगे। इसलिए किसी भी संस्थान के लिए वार्षिक समारोह बहुत महत्वपूर्ण होता है। विजय प्रताप ने इस मौके पर एक कहावत के माध्यम से कहा कि 'कल करै सो आज कर, आज करै सो अब, पल में प्रलय होयगी बहुरी करेगो कब' यानि जो कल करना है उसे आज करो अभी करो शुभस्य शीघ्रम के सिद्धांत को यदि हम अपने जीवन में अपना लें, तो किसी को शायद पछताना ना पड़े।

उन्होंने कहा कि ओम योग संस्थान विद्या का मंदिर है, यहां बच्चों को शिक्षा मिलती है, संस्कार मिलते हैं। संस्कार के साथ-2 स्वास्थ्य भी हासिल कर रहे हैं। उनके चेहरे पर ऊर्जा है, शक्ति है और पढ़ाई के साथ-साथ सभी प्रकार की गतिविधियों में बच्चों की भागीदारी हो रही है। यह संस्थान मूल्यों पर चल रहा है, संस्कारों पर चल रहा है। नन्हें-मुन्ने बच्चों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 21 हजार रुपए ईनाम स्वरूप दिए।

एससीआरटी उप निदेशक रितु चौधरी की सेवानिवृति पर विदाई समारोह का आयोजन

Gurugaram/Alive News

गुरुग्राम सिविल लाइन रोड स्थित राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) की उप निदेशक रितु चौधरी के सेवानिवृत होने पर एससीआरटी के सभागार में विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह में फरीदाबाद, गुरुग्राम, पलवल के स्कूल अध्यापक एवं प्रिंसिपल के साथ एससीईआरटी के कर्मचारी और अधिकारियों ने रितु चौधरी को भावभीनी विदाई दी। इस विदाई समारोह की अध्यक्षता एससीईआरटी के डायरेक्टर सुनील बजाज ने की। मंच का संचालन डॉ सुनीता ने किया। समारोह में आए हुए सभी महानुभावों ने सेवानिवृत्त अधिकारी रितु चौधरी को पुष्प गुच्छ देकर और फूल माला पहनाकर सम्मानित किया।

फरीदाबाद से आए विषय विशेषज्ञ आपदा प्रबंधन डॉ एम.पी. सिंह ने उन्हें बधाई दी और कहा कि वह पिछले 25 सालों से रितु चौधरी को जानते हैं और उनकी कार्यशैली से परिचित हैं, जो शिक्षा के क्षेत्र में रितु चौधरी ने काम किया है वह विभाग के कनिष्ठ अधिकारियों के लिए प्रेरणा दायक है। उन्होंने कहा है कि रितु चौधरी प्राध्यापक, खंड शिक्षा अधिकारी, डीपीसी जिला शिक्षा अधिकारी के पद पर रही है जो आज डिप्टी डायरेक्टर के

पद से सेवानिवृति हुई है जिनको जिला स्तर, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सरकार द्वारा अवार्ड देकर सम्मानित किया जा चुका है।

समारोह के आखिर में उप निदेशक रितु चौधरी ने सभी का आभार प्रकट किया और कहा कि उन्हें हर कदम पर प्रेरणा मिलती रही है, इसी वजह से वह शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा काम कर पाई है। उन्होंने कहा कि एससीईआरटी में वह काम पूरा नही कर पाई, क्यों उन्हें यहां समय कम मिल पाया लेकिन यहां उन्हें बहुत सिखने को मिला है। वह चाहती है कि उनके साथी पूरा करें।

इस विदाई समारोह में रिटायर्ड आईएएस सुरैना राजन, उनके पति एवं रिटायर्ड आईआरएस अधिकारी राजन कुमार, सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल राज कुमार, प्रिंसिपल अल्का सिंह, प्रिंसिपल सतेन्द्र, रिटायर्ड अध्यापक इंदर सिंह, अध्यापक ललित भारद्वाज, अध्यापक दीपेन्द्र सिंह सहित एससीईआरटी के कर्मचारी और अधिकारी मौजूद रहे।

फरीदाबाद नगर निगम अब मुर्दों से भी वसूलेगा टैक्स, शवदाह गृह को भेजा नोटिस

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद नगर निगम अब मुर्दों से भी टैक्स वसूलने की तैयारी में है। इसको लेकर शवदाह गृह को साढ़े पांच लाख टैक्स जमा कराने का नोटिस भी भेज दिया गया। वहीं टैक्स जमा नहीं कराने पर सील करने की भी चेतावनी कर्मचारी ने दे डाली। जब शवदाह गृह के केयरटेकर ने उच्चाधिकारियों के सामने इस मामले को रखा तो जांच करने पर पता चला कि यह नोटिस प्रॉपर्टी आईडी में हुई गलती से वजह से जारी हो गया है।

नगर निगम बल्लभगढ़ जोन की ओर से तिगांव रोड पर बने शवदाह गृह में कर्मचारी को नगर निगम की ओर से साढ़े पांच लाख रुपये का नोटिस भेज दिया। वहीं मौजूद कर्मचारी को टैक्स नहीं भरने पर शवदाह गृह सील करने की भी चेतावनी दी गई। कर्मचारी ने नोटिस की जानकारी केयरटेकर बालकृष्ण शर्मा को दी। साढ़े पांच लाख का नोटिस देखकर बालकृष्ण शर्मा भी पूरी तरह से हतप्रभ रह गए। वह नोटिस लेकर तुरंत नगर निगम कार्यालय पहुंचे। जहां पर उन्होंने क्षेत्रीय कर अधिकारी कार्यालय में अपनी शिकायत दी।

कार्यालय में उपस्थित कर्मचारियों ने भी बालकृष्ण शर्मा से कहा कि उनको टैक्स जमा कराना पड़ेगा। इसके बाद केयरटेकर क्षेत्रीय कर अधिकारी विजय सिंह से मिले। इसके बाद उनकी समस्या का समाधान हुआ। क्षेत्रीय कर अधिकारी विजय सिंह ने कहा कि यह नोटिस प्रॉपर्टी आईडी की गलती की वजह से जारी हुआ है। कई प्रॉपर्टी आईडी आपस में अटैच हो गई, इसलिए कई जगह गलत नोटिस गए हैं। यह नोटिस भी प्रॉपर्टी आईडी में गलती होने की वजह से चला गया है। इसमें जल्द सुधार कर लिया जाएगा।

कांग्रेस के पूर्व विधायक और पूर्व सचिव में हुई जमकर गाली-गलौज और फिर जूतमपैजार

Faridabad/Alive News

होली मिलन समारोह में सोफे पर बैठने को लेकर कांग्रेस के पूर्व विधायक और कांग्रेस के पूर्व सचिव में पहले गाली-गलौज हुई और बाद में बात जूतमपैजार पर आ गई। रविवार के दिन कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सुमित गौड द्वारा सेक्टर-18 में होली मिलन समारोह रखा हुआ था।

होली मिलन समारोह में पूर्व मंत्री महेंद्र प्रताप सिंह मंच से अपना संबोधन कर रहे थे, उसी दौरान पूर्व विधायक ललित नागर अपने समर्थकों के साथ समारोह में पहुंचे और सोफे पर पहले से बैठे कांग्रेस के पूर्व सचिव महेंद्र शर्मा को उठने को कहा, महेंद्र शर्मा ही खुद पूर्व विधायक को सम्मान देने के लिए उठने लगे। तभी उठते हुए महेंद्र शर्मा को पूर्व विधायक ललित नागर का धक्का लग गया

और कांग्रेस के पूर्व सचिव महेंद्र शर्मा नीचे जा गिरे। इसी बात का विरोध करते हुए कांग्रेस के पूर्व सचिव महेंद्र शर्मा ने पूर्व विधायक ललित डटकर विरोध किया तो उधर से पूर्व विधायक ललित नागर ने भी कोई कसर नही छोड़ी और गाली-गलौज करनी शुरू कर दी। वायरल वीडियो में दोनों एक दूसरे को गाली-गलौज करते हुए दिख रहें हैं।

उधर, कार्यक्रम के मंच से पूर्व मंत्री महेंद्र प्रताप समारोह और पार्टी की गरिमा को बनाए रखने के लिए बार-बार पूर्व विधायक ललित नागर को शांत करते हुए सुनाई दे रहें है। उनका संबोधन खत्म ही नही हुआ था कि उस बीच में उन्होंने माइक छोड़ दिया, क्योंकि न तो पूर्व विधायक ललित नागर उनकी बात सुन रहे थे और न ही पार्टी के पूर्व सचिव महेंद्र शर्मा शान्त होने का नाम ले रहे थे।

उनके माइक छोड़ने के बाद मंच संचालन कर रहे कवि दिनेश रघुवंशी ने भी माइक से ललित नागर को शांत करने कीकोशिश की। लेकिन दोनों नेताओं ने किसी की एक न सुनी। बात इतनी बढ़ गई थी कि पूर्व विधायक ने कांग्रेस पूर्व सचिव महेंद्र शर्मा पर हाथ छोड़ दिया। हालांकि इससे पहले दोनों में मुंहवाद और गाल गलौज चल रहा था। हाथापाई की नौबत तब हुई जब पार्टी के पूर्व सचिव महेंद्र शर्मा ने पूर्व विधायक को कहा कि वह पहले से वहां बैठे हुए हैं वह किसी से कम नही हैं वह भी जूता मार सकते हैं। इस बात पर पूर्व विधायक ललित नागर ने उठते हुए कहा कि इसकी इतनी मजाल और महेंद्र शर्मा पर हाथ उठा दिया। इस दौरान वीडियो में दोनों नेताओं को कार्यक्रम के आयोजक कांग्रेस के प्रवक्ता सुमित गौड शांत करते हुए नजर आ रहे हैं। लेकिन इनमें से कोई शांत नहीं हुआ आखिरकार हाथापाई होने के बाद महेंद्र शर्मा वहां से चले गए। कांग्रेस नेताओं का धार्मिक कार्यक्रम में इस तरह से गाली-गलौच करना और हाथापाई पर उतारू होना औच्छी मानसिकता को दर्शाता है। इस घटना से दोनों नेताओं की जमकर किरकिरी हो रही है साथ कांग्रेस पार्टी की भी छवि खराब हुई है। पाठकों को बता दें कि पूर्व विधायक ललित नागर कांग्रेस पार्टी से तिगांव सीट पर विधायक रह चुके हैं और 2019 की लोकसभा चुनाव में पार्टी से टिकट भी लेकर आ चुकें है लेकिन कुछ दिनों बाद उनकी टिकट पार्टी ने काट दी थी और अन्य उम्मीदवार को दे दी थी। ललित नागर इस बार भी पार्टी से तिगांव विधानसभा के लिए टिकट मांग रहे है और पिछले साल से तिगांव विधानसभा में जनसंपर्क अभियान चलाए हुए हैं।

चैत्र नवरात्र पर लक्ष्मीनारायण दिव्यधाम में पहुंचे हजारों की तादाद में भक्त

Faridabad/Alive News

चैत्र नवरात्र एवं नवसंवत 2081 के अवसर पर श्री सिद्धदाता आश्रम एवं श्री लक्ष्मीनारायण दिव्यधाम में हजारों लोग पहुंचे। उन्होंने यहां माथा नवाया और गुरु महाराज जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर श्री गुरु महाराज ने यहां माता के नौ दिन आराधना के लिए घट की सविधि स्थापना की। उन्होंने माता रानी से सभी के कल्याण के लिए प्रार्थना की और पहुंचे हजारों भक्तों को प्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज दो विशेष दिन हैं। एक तो माता के आराधना के नवरात्र प्रारंभ हो रहे हैं और दूसरा आज से ही हमारा भारतीय नया वर्ष प्रारम्भ हो रहा है। उन्होंने सभी से अपने जीवन में नए संकल्प लेने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हमारे सनातन परंपरा में हर पर्व का एक विशेष अर्थ होता है। हमें चाहिए कि हम पर्वों के अर्थों को समझें और उन्हें अपने जीवन में महत्व दें।

स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज ने कहा कि माता की आराधना के पर्व का सीधा संकेत है कि हमें भी अपने परिवार, समाज और कार्यस्थल पर महिला शक्ति को सम्मान देना है। उनकी मदद करनी है और हर मातृशक्ति को माता शक्ति का स्वरूप समझकर सत्कार करना है। इस प्रकार का कर्म निश्चित तौर पर हमें माता रानी की कृपा का पात्र बनाएगा। इस अवसर पर यहां सुबह से ही मंदिर, समाधि स्थल और परिक्रमा मार्ग पर बड़ी संख्या में भक्त जुटे। जिन्होंने नए वर्ष का शुभारम्भ गुरु दर से किया। भक्तों ने बताया कि यहां पर मांगी गई मन्नत जल्द से जल्द पूरी होती है।

पुलिस कमिश्नर ने सुरेंद्र कुमार को प्रशंसा पत्र देकर किया सम्मानित

Gurugram/Alive News

कैब में बैठाकर सवारियों को लूटने वाले गिरोह का पर्दाफाश करने वाले पुलिस अधिकारी सुरेंद्र कुमार और उनकी टीम का हौसला बढ़ाने के लिए गुरुग्राम के पुलिस कमिश्नर विकास अरोड़ा ने प्रशंसा पत्र और नगद इनाम देकर हौसला अफजाई की। मिली जानकारी के अनुसार मेवात नूंह की एक कैब गैंग के सृंगना और उसके सदस्यों को लूटपाट करने के मामले में सुरेंद्र कुमार और उसकी टीम एएसआई राकेश, एएसआई ज्ञानेन्द्र, हैड कांस्टेबल जगजीत, हेड कांस्टेबल रामहेर, सीटी संजय और सीटी नासिर खान ने पकड़कर एक सराहनीय कार्य किया है। पुलिस के अनुसार यह गैंग राजीव चौक से सोहना नूंह और मानेसर के लिए अपनी कैब में सवारियां और उन्हें हथियार दिखाकर लूट लेते थे और उसके बाद उन्हें सुनसान क्षेत्र में छोड़ जाते थे। इस गिरोह के सदस्य को गिरफ्तार कर कामयाबी हासिल की थी।

DAV school NH3 organized Annual Appreciation Day

Faridabad/Alive New

DAV Public School, NH3 organized an Annual Appreciation Day on 10 th .April 2024 to eulogize the outstanding work of its young scholars.The programme commenced with the lighting of the ceremonial lamp followed by sapling presentation by Ms Jyoti Dahiya, Principal of the school to the Chief guestsof the day – Shivam Shukla , works with Union Bank, Suraj Adhikari prestigious and innovative Ortho surgical and Simran Sachdeva esteemed teacher of Kundan Global School.

A plethora of mesmerizing performances showcased by the students of grade 6 th to 12 th held the audience enthralled. The school honored all its

achievers for having attained a sterling record both in scholastic and co-scholastic domain. Around 40 students per class per section were honored for their outstanding achievements. Special care was taken to ensure that deserving students from each section of every class were honored. The awards, trophies and certificates were conferred upon the well deserving DAVians. The musical rendition by class XII students took us to the retro era.

The meritorious achievers were felicitated in the Ceremony by the Principal, Jyoti Dahiya .She blessed the scholars and appreciated the efforts of the staff as well as the students. The Principal lauded their achievements and urged the students to hone their talent and potential to carve a niche for themselves and serve the nation. She thanked the dignitaries for rendering their precious time and blessing the students with their esteemed presence. It was indeed a proud moment not only for the recipients of the awards

Printed, Published & Owned By : Tilak Raj and Printed at The M/s AGS Publication, D-67, Sector-6, Noida, U.P. -201301, From 547, Nangla Enclave, Part-1, N.I.T., Faridabad(Hr.), Editor : Tilak Raj, Ph : 0129-4070270, 9891639448